THROUGH THE EYES OF TRAVELLERS PERCEPTIONS OF SOCIETY

(c. tenth to seventeenth century)

01

यात्रियों के नज़रिए समाज के बारे में उनकी समझ

(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)

01

THEME FIVE

Travelled in search of work

कार्य की तलाश में

Escape from natural disasters

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए

As traders, merchants, soldiers, priests, pilgrims, or driven by a sense of adventure.

व्यापारियों, सैनिकों, पुरोहितों और तीर्थयात्रियों के रूप में या फिर साहस की भावना से प्रेरित होकर यात्राएँ की हैं।

Stay in a new land invariably encounter a world that is different: in terms of the landscape or physical environment as well as customs, languages, beliefs and practices of people

नए स्थान पर आते हैं अथवा बस जाते हैं, निश्चित रूप से एक ऐसी दुनिया को समक्ष पाते हैं जो भूदृश्य या भौतिक परिवेश के संदर्भ में और साथ ही लोगों की प्रथाओं, भाषाओं, आस्था तथा व्यवहार में भिन्न होती है।

Descriptions of the city of Vijayanagara (Chapter 7) in the fifteenth century comes from Abdur Razzaq Samarqandi, a diplomat who came visiting from Herat.

पंद्रहवीं शताब्दी में विजयनगर शहर (अध्याय 7) के सबसे महत्त्वपूर्ण विवरणों में से एक, हेरात से आए एक राजनयिक अब्दुर रज़्ज़ाक समरकंदी से प्राप्त होता है।

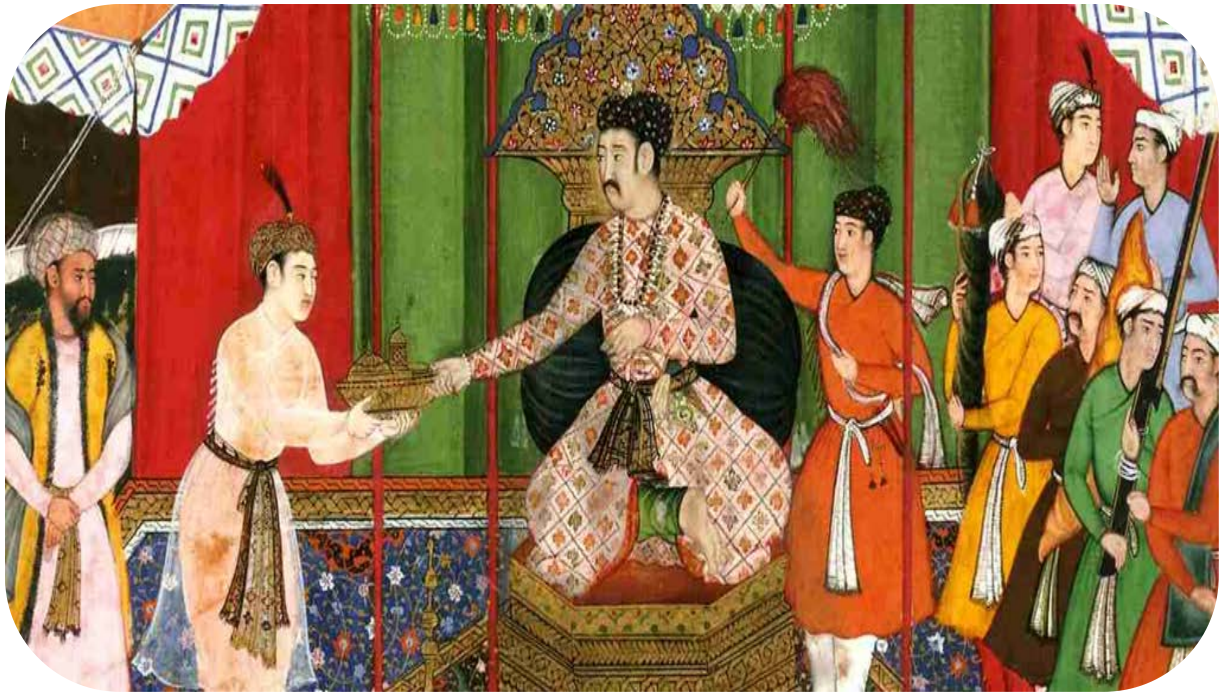

Mughal Empire (Chapters 8 and 9), administrators sometimes travelled within the empire and recorded their observations.

मुग़ल साम्राज्य (अध्याय 8 और 9) में प्रशासनिक अधिकारी कभी–कभी साम्राज्य के भीतर ही भ्रमण करते थे और अपनी टिप्पणियाँ दर्ज करते थे।

THEME FIVE

THROUGH THE EYES OF TRAVELLERS यात्रियों के नज़रिए समाज के बारे में
PERCEPTIONS OF SOCIETY उनकी समझ
c. tenth to seventeenth century लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक

Al-Biruni who came from Uzbekistan

अल–बिरूनी, जो ग्यारहवीं शताब्दी में उज़्बेकिस्तान आया था

Ibn Battuta who came from Morocco

इब्न बतूता (चौदहवीं शताब्दी), मोरक्को से आया था

Frenchman François Bernier

फ्रांसीसी यात्री फ्रांस्वा बर्नियर

Al-Biruni's objectives

Al-Biruni described his work as: a help to those who want to discuss religious questions with them (the Hindus), and as a repertory of information to those who want to associate with them.

अल–बिरूनी के उद्देश्य

अल–बिरूनी ने अपने कार्य का वर्णन इस प्रकार किया: उन लोगों के लिए सहायक जो उनसे (हिंदुओं) धार्मिक विषयों पर चर्चा करना चाहते हैं और ऐसे लोगों के लिए एक सूचना का संग्रह जो उनके साथ संबद्ध होना चाहते हैं।

As these uthors came from vastly different social and cultural environments, they were often more attentive to everyday activities and practices which were taken for granted by indigenous writers, for whom these were routine matters, not worthy of being recorded.

पूरी तरह से भिन्न सामाजिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने के कारण ये लेखक दैनिक गतिविधियों तथा प्रथाओं के प्रति अधिक सावधान रहते थे। देशज लेखकों के लिए ये सभी विषय सामान्य थे जो वृत्तांतों में दर्ज करने योग्य नहीं थे।

It is this difference in perspective that makes the accounts of travellers interesting. Who did these travellers write for? As we will see, the answers vary from one instance to the next.

नज़रिये में यही भिन्नता ही यात्रा–वृत्तांतों को अधिक रोचक बनाती है। ये यात्री किसके लिए लिखते थे? जैसा कि हम देखेंगे, इस प्रश्न का उत्तर अलग–अलग दृष्टांतों में अलग था।

➢ Al-Biruni and the Kitab-ul-Hind

➢ अल–बिरूनी तथा किताब–उल–हिन्द

Al-Biruni was born in 973

अल–बिरूनी का जन्म सन् 973 में हुआ था।

Uzbekistan

उज़्बेकिस्तान

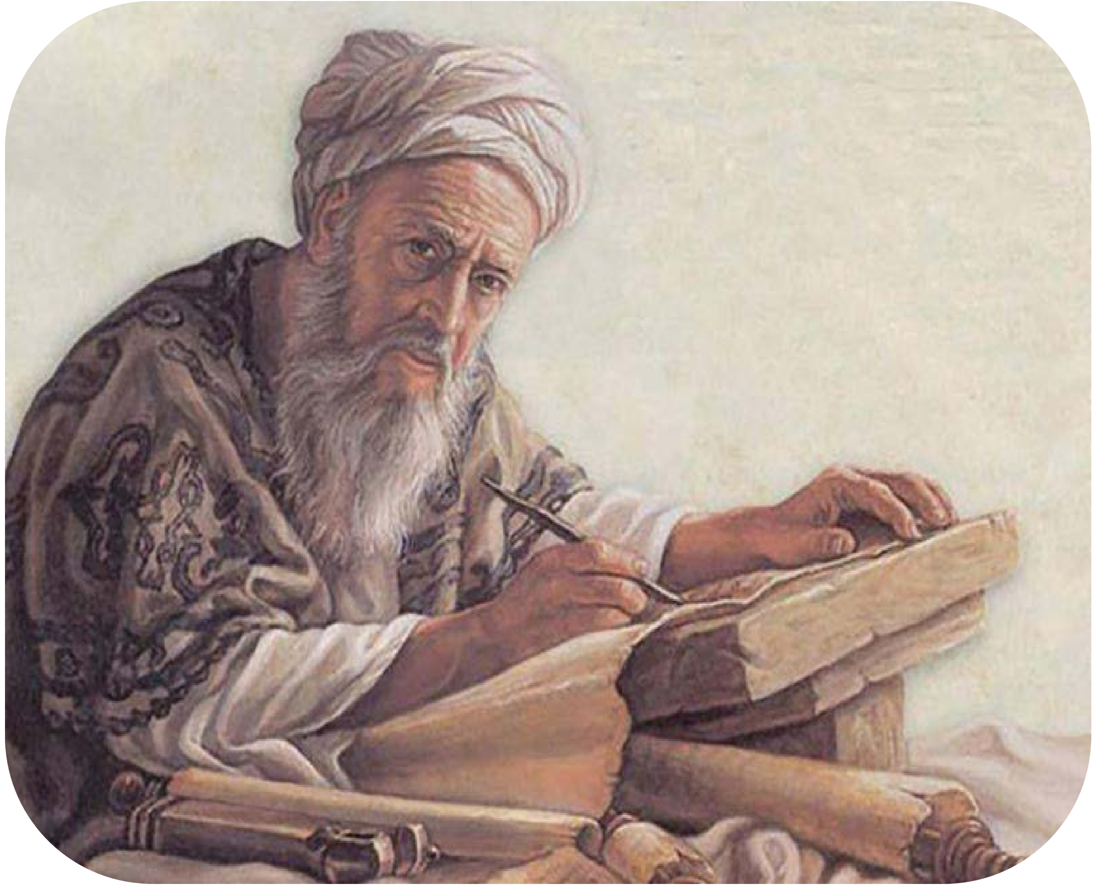

Received the best education

शिक्षा का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र था

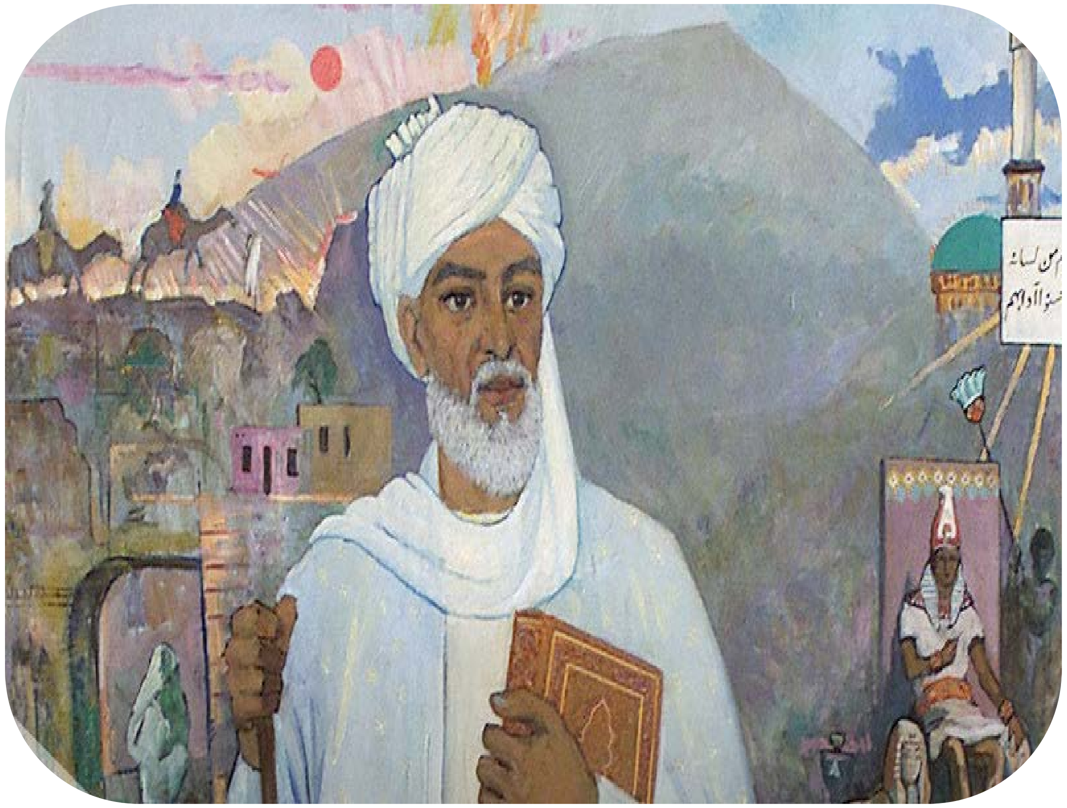

Well versed in several languages

सबसे अच्छी शिक्षा प्राप्त की थी।

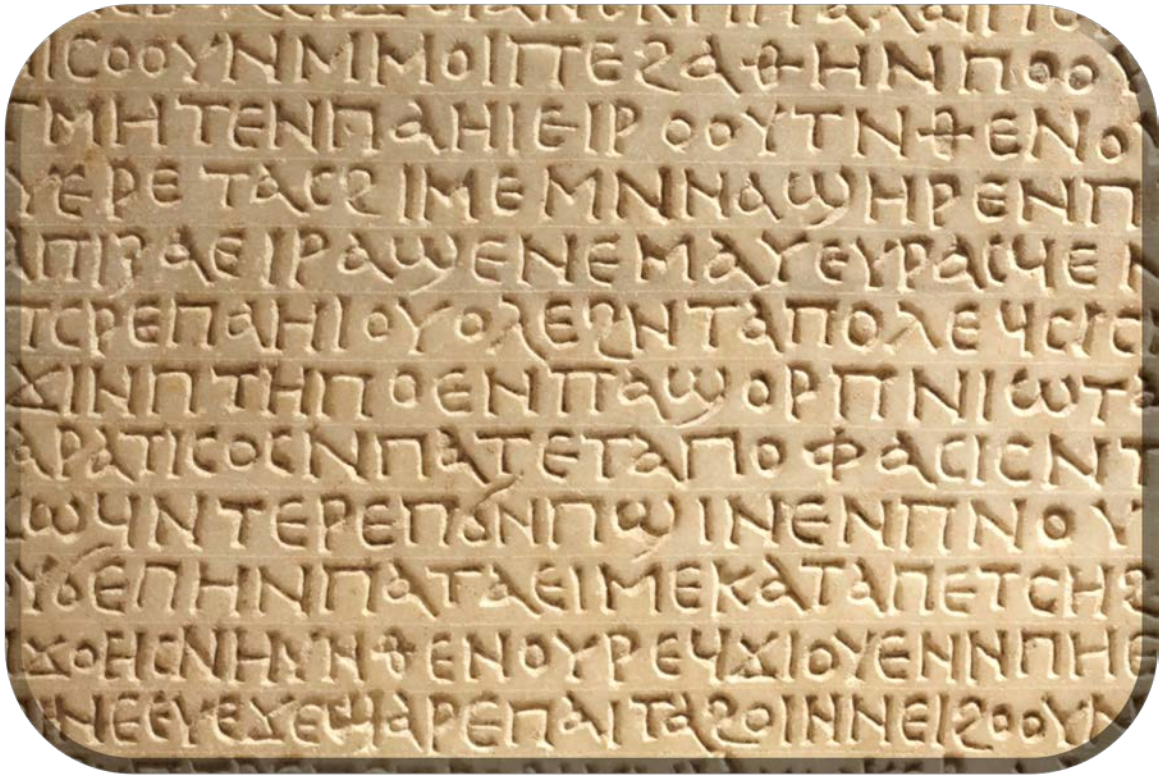

He did not know Greek

वह यूनानी भाषा का जानकार नहीं था

When Sultan Mahmud invaded Khwarizm

सुल्तान महमूद ने ख्वारिज़्म पर आक्रमण किया

Took several scholars and poets back to his capital, Ghazni; Al-Biruni was one of them.

कई विद्वानों तथा कवियों को अपने साथ अपनी राजधानी ग़ज़नी ले गया। अल–बिरूनी भी उनमें से एक था।

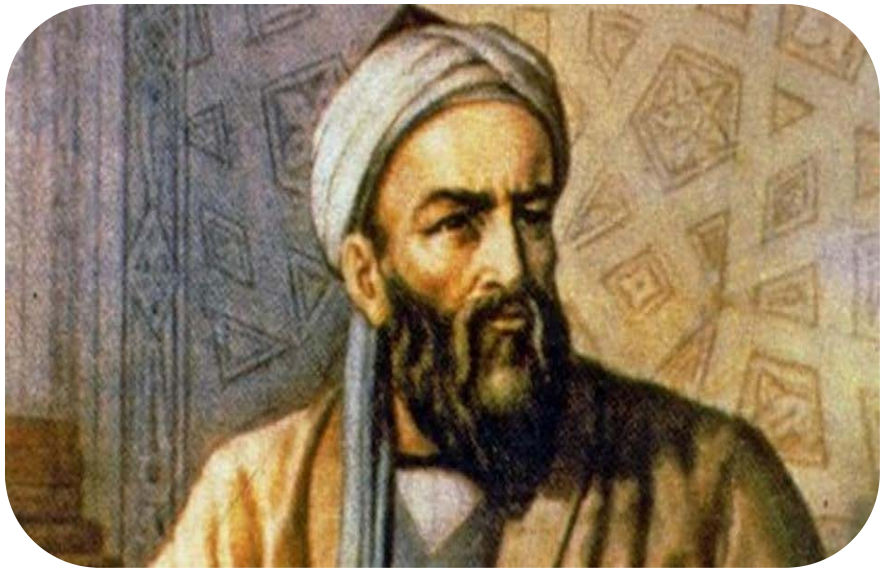

He arrived in Ghazni as a hostage, but gradually developed a liking

वह बंधक के रूप में ग़ज़नी आया था पर धीरे–धीरे उसे यह शहर पसंद आने लगा।

Spent the rest of his life until his death

अपनी मृत्यु तक उसने अपना बाकी जीवन यहीं बिताया।

in Ghazni that Al-Biruni developed an interest in India.

ग़ज़नी में ही अल–बिरूनी की भारत के प्रति रुचि विकसित हुई।

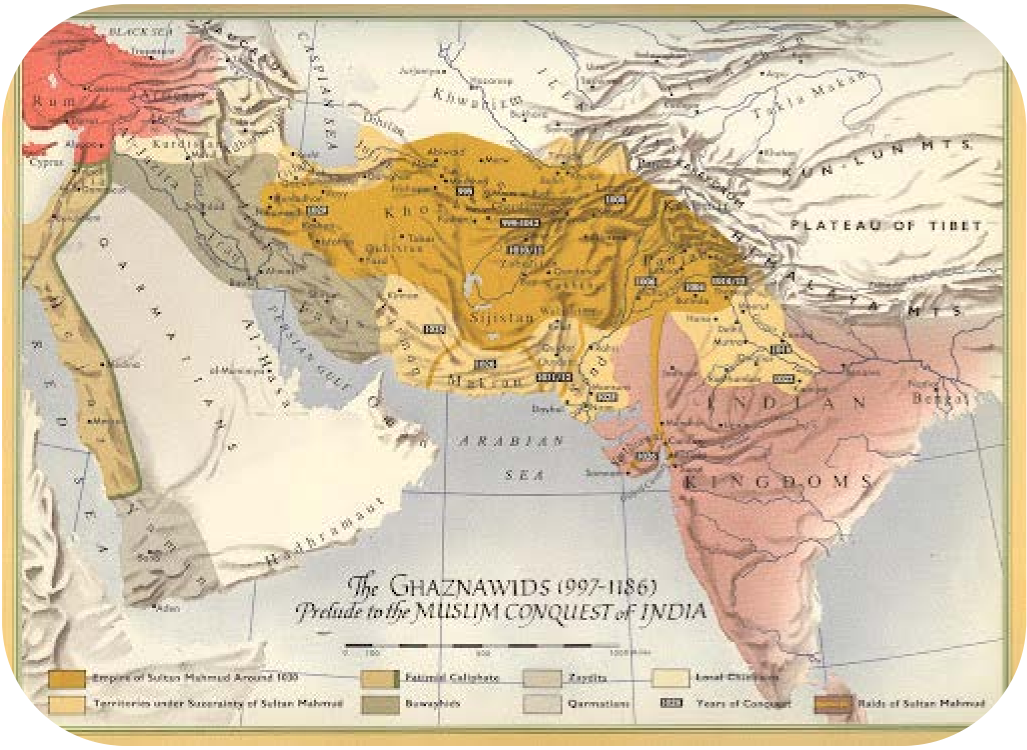

Punjab became a part of the Ghaznavid empire

पंजाब ग़ज़नवी साम्राज्य का हिस्सा बन गया।

He travelled widely in the Punjab and parts of northern India

उसने पंजाब और उत्तर भारत के कई हिस्सों की यात्रा की थी।

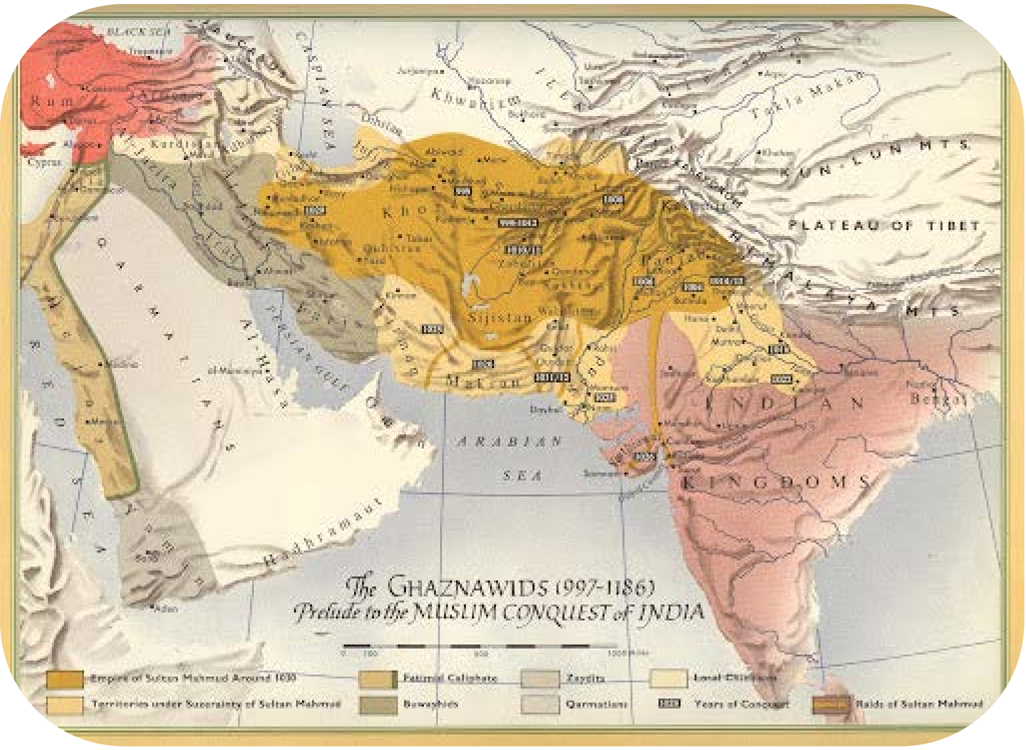

Translating texts, sharing ideas Al-Biruni's expertise in several languages allowed him to compare languages and translate texts.

ग्रंथों का अनुवाद, विचारों का आदान–प्रदान कई भाषाओं में दक्षता हासिल करने के कारण अल–बिरूनी भाषाओं की तुलना तथा ग्रंथों का अनुवाद करने में सक्षम रहा।

He translated several Sanskrit works, including Patanjali's work on grammar, into Arabic. For his Brahmana friends, he translated the works of Euclid (a Greek mathematician) into Sanskrit.

उसने कई संस्कृत कृतियों, जिनमें पतंजलि का व्याकरण पर ग्रंथ भी शामिल है, का अरबी में अनुवाद किया। अपने ब्राह्मण मित्रों के लिए उसने यूक्लिड (एक यूनानी गणितज्ञ) के कार्यों का संस्कृत में अनुवाद किया।

Metrology is the science of measurement.

मापतंत्र विज्ञान मापने के विज्ञान से संबंध रखता है।

Hindu

The term "Hindu" was derived from an Old Persian word, used c. sixth-fifth centuries BCE, to refer to the region east of the river Sindhu (Indus). The Arabs continued the Persian usage and called this region "al-Hind" and its people "Hindi".

हिंदू

"हिंदू" शब्द लगभग छठी-पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में प्रयुक्त होने वाले एक प्राचीन फ़ारसी शब्द, जिसका प्रयोग सिंधु नदी (प्द्कने) के पूर्व के क्षेत्र के लिए होता था, से निकला था। अरबी लोगों ने इस फ़ारसी शब्द को जारी रखा और इस क्षेत्र को "अल-हिंद" तथा यहाँ के निवासियों को "हिंदी" कहा।

Later the Turks referred to the people east of the Indus as "Hindu", their land as "Hindustan", and their language as "Hindavi". None of these expressions indicated the religious identity of the people. It was much later that the term developed religious connotations.

कालांतर में तुर्कों ने सिंधु से पूर्व में रहने वाले लोगों को "हिंदू"; उनके निवास क्षेत्र को "हिंदुस्तान" तथा उनकी भाषा को "हिंदवी" का नाम दिया। इनमें से कोई भी शब्द लोगों की धार्मिक पहचान का द्योतक नहीं था। इस शब्द का धार्मिक संदर्भ में प्रयोग बहुत बाद की बात है।

Al-Biruni's Kitab-ul-Hind, written in Arabic

अल–बिरूनी की कृति किताब–उल–हिन्द की भाषा अरबी में है।

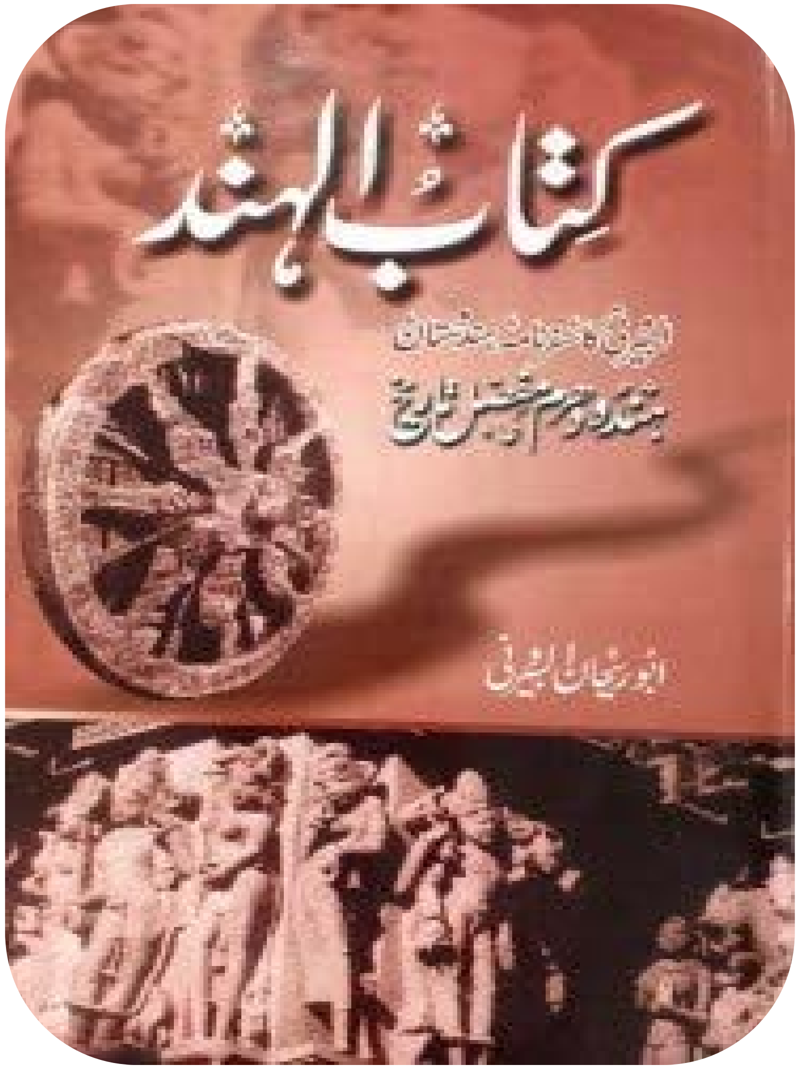

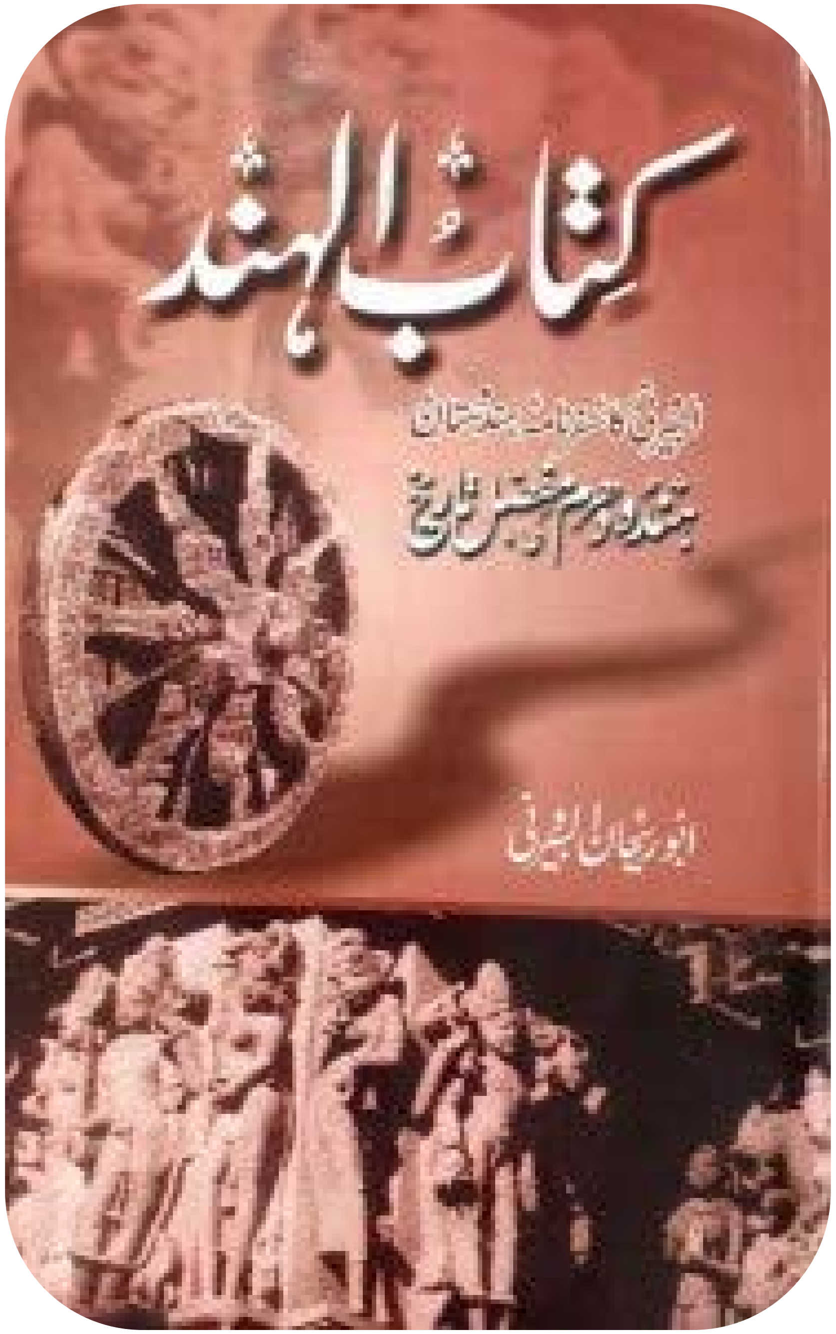

Voluminous text, divided into 80 chapters on subjects such as religion and philosophy, festivals, astronomy, alchemy, manners and customs, social life, weights and measures, iconography, laws and metrology.

विस्तृत ग्रंथ है जो धर्म और दर्शन, त्योहारों, खगोल–विज्ञान, कीमिया, रीति–रिवाजों तथा प्रथाओं, सामाजिक–जीवन, भार–तौल तथा मापन विधियों, मूर्तिकला, कानून, मापतंत्र विज्ञान आदि विषयों के आधार पर अस्सी अध्यायों में विभाजित है।

Beginning with a question, following this up with a description based on Sanskritic traditions, and concluding with a comparison with other cultures.

आरंभ में एक प्रश्न होता था, फिर संस्कृतवादी परंपराओं पर आधारित वर्णन और अंत में अन्य संस्कृतियों के साथ एक तुलना।

He was familiar with translations and adaptations of Sanskrit, Pali and Prakrit texts into Arabic – these ranged from fables to works on astronomy and medicine

वह संस्कृत, पाली तथा प्राकृत ग्रंथों के अरबी भाषा में अनुवादों तथा रूपांतरणों से परिचित था–इनमें दंतकथाओं से लेकर खगोल–विज्ञान और चिकित्सा संबंधी कृतियाँ सभी शामिल थीं।

The bird leaves its nest

This is an excerpt from the Rihla: My departure from Tangier, my birthplace, took place on Thursday … I set out alone, having neither fellowtraveller … nor caravan whose party I might join, but swayed by an overmastering impulse within me and a desire long-cherished in my bosom to visit these illustrious sanctuaries.

घोंसले से निकलता पक्षी

यह रिह्ला से लिया गया एक उद्धरण है: अपने जन्म स्थान तैंजियर से मेरा प्रस्थान गुरुवार को हुआ... मैं अकेला ही निकल पड़ा, बिना किसी साथी यात्री... या कारवाँ के जिसकी टोली में मैं शामिल हो सकूँ, लेकिन अपने अंदर एक अधिप्रभावी आवेग और इन प्रसिद्ध पुण्यस्थानों को देखने की इच्छा जो लंबे समय से मेरे अंतःकरण में थी, से प्रभावित होकर।

So I braced my resolution to quit all my dear ones, female and male, and forsook my home as birds forsake their nests ... My age at that time was twenty-two years.

Ibn Battuta returned home in 1354, about 30 years after he had set out.

इसलिए मैंने अपने प्रियजनों को छोड़ जाने के निश्चय को दृढ़ किया और अपने घर को ऐसे ही छोड़ दिया जैसे पक्षी अपने घोंसलों को छोड़ देते हैं... उस समय मेरी उम्र बाईस वर्ष थी। इब्न बतूता 1354 में घर वापस पहुँचा, अपनी यात्रा आरंभ करने के लगभग तीस वर्ष बाद।

Ibn Battuta’s Rihla

इब्न बतूता का रिह्ला

Ibn Battuta’s book of travels, called Rihla, written in Arabic, provides extremely rich and interesting details about the social and cultural life in the subcontinent

इब्न बतूता द्वारा अरबी भाषा में लिखा गया उसका यात्रा वृत्तांत जिसे रिह्ला कहा जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप के सामाजिक तथा सांस्कृतिक जीवन के विषय में बहुत ही प्रचुर तथा रोचक जानकारियाँ देता है।

Born in Tangier

तैंजियर में जन्म

Received literary and scholastic education when he was quite young.

कम उम्र में ही साहित्यिक तथा शास्त्ररूढ़ शिक्षा हासिल की।

Ibn Battuta considered experience gained through travels to be a more important source of knowledge than books.

इब्न बतूता पुस्तकों के स्थान पर यात्राओं से अर्जित अनुभव को ज्ञान का अधिक महत्त्वपूर्ण स्रोत मानता था।

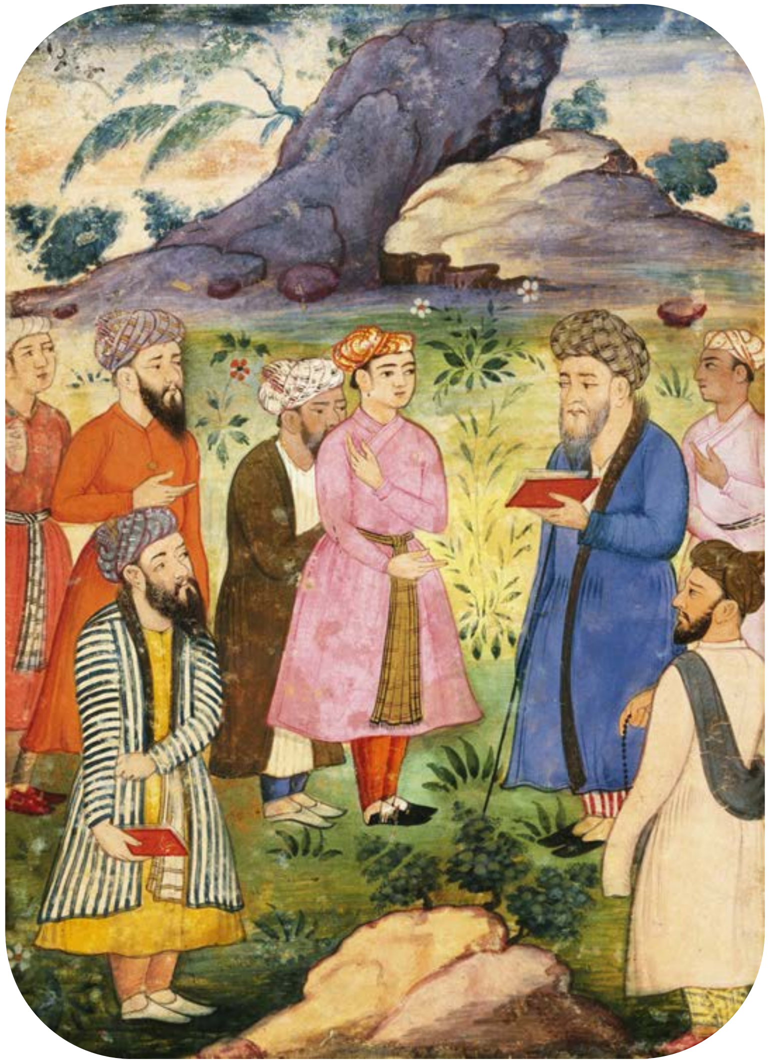

Ibn Batttuta reached Sind in 1333.

इब्न बतूता सन् 1333 में स्थलमार्ग से सिंध पहुँचा।

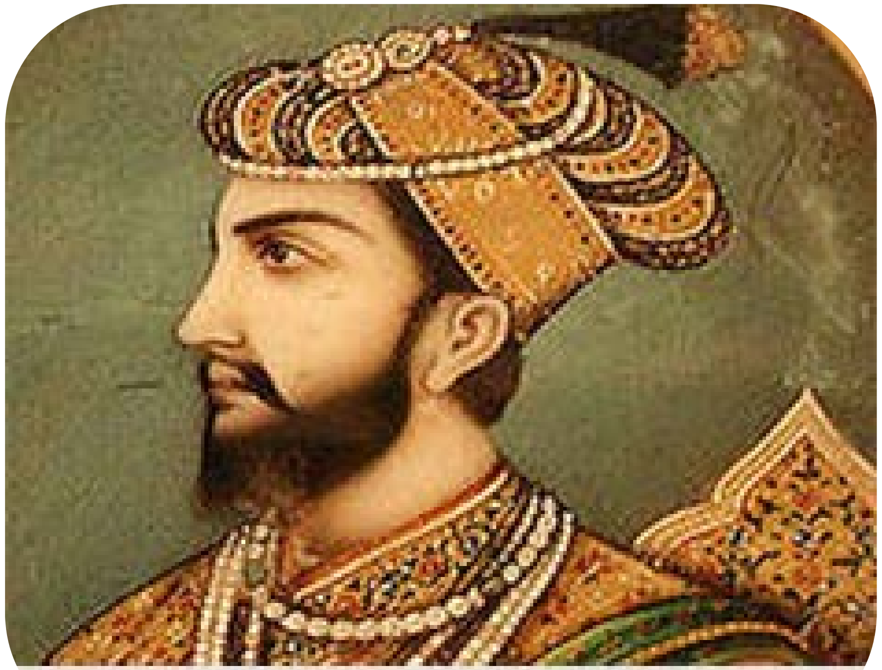
Muhammad bin Tughlaq

Had heard about Muhammad bin Tughlaq, the Sultan of Delhi

उसने दिल्ली के सुल्तान मुहम्मद बिन तुग़लक के बारे में सुना था

Sultan was impressed by his scholarship, and appointed him the qazi or judge

सुल्तान उसकी विद्वता से प्रभावित हुआ और उसे दिल्ली का क़ाज़ी या न्यायाधीश नियुक्त किया।

Was ordered in 1342 to proceed to China as the Sultan's envoy to the Mongol ruler.

1342 ई. में मंगोल शासक के पास सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया गया।

Travelled extensively in China

व्यापक रूप से चीन में यात्रा की

His account is often compared with that of Marco Polo, who visited China (and also India) from his home base in Venice

चीन के विषय में उसके वृत्तांत की तुलना मार्को पोलो, वेनिस से चलकर चीन (और भारत की भी) की यात्रा की थी, के वृत्तांत से की जाती है।

The lonely traveller

Robbers were not the only hazard on long journeys: the traveller could feel homesick, or fall ill. Here is an excerpt from the Rihla:

एकाकी यात्री

लंबी यात्राओं में लुटेरे ही एकमात्र खतरा नहीं थे: यात्री गृहातुर हो सकता था और बीमार हो सकता था। यह रिह्‌ला से लिया गया एक उद्धरण है:

I was attacked by the fever, and I actually tied myself on the saddle with a turbancloth in case I should fall off by reason of my weakness … So at last we reached the town of Tunis, and the townsfolk came out to welcome the shaikh … and … the son of the qazi …

मुझे ज्वर ने जकड़ लिया था, और मैंने अपने आप को कमज़ोरी के कारण गिरने से बचाने के लिए पगड़ी के कपड़े को जीन से बाँध लिया... अंततः हम ट्यूनिस शहर पहुँचे और वहाँ के निवासी शेख... और... क़ाज़ी के पुत्र का स्वागत करने के लिए बाहर आए।

On all sides they came forward with greetings and questions to one another, but not a soul said a word of greeting to me, since there was none of them I knew.

वे हर ओर एक दूसरे के लिए अभिवादन और प्रश्नों के साथ आगे आए, लेकिन उनमें से किसी ने भी मेरा अभिवादन नहीं किया क्योंकि वहाँ कोई भी ऐसा नहीं था जिससे मेरा परिचय हो।

I felt so sad at heart on account of my loneliness that I could not restrain the tears that started to my eyes, and wept bitterly. But one of the pilgrims, realising the cause of my distress, came up to me with a greeting ...

अपने एकाकीपन से मैं इतना उदास हुआ कि अपनी आँखों में आए आँसुओं को रोक नहीं सका, और बहुत रोया। पर एक तीर्थयात्री मेरी कुंठा का कारण जानकर मेरे पास आया और अभिवादन किया...।

Fig. 5.3
Robbers attacking travellers, a sixteenth-century Mughal painting

Ibn Battuta was attacked by bands of robbers several times.

इब्न बतूता ने कई बार डाकुओं के समूहों द्वारा किए गए आक्रमण झेले थे।

Ibn Battuta was an inveterate traveller

इब्न बतूता एक हठीला यात्री था।

When he returned, the local ruler issued instructions that his stories be recorded.

जब वह वापस आया तो स्थानीय शासक ने निर्देश दिए कि उसकी कहानियों को दर्ज किया जाए।

Education and entertainment

This is what Ibn Juzayy, who was deputed to write what Ibn Battuta dictated, said in his introduction:

शिक्षा तथा मनोरंजन

इब्न जुज़ाई जिसे इब्न बतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए नियुक्त किया गया था, अपनी प्रस्तावना में लिखता है:

A gracious direction was transmitted (by the ruler) that he (Ibn Battuta) should dictate an account of the cities which he had seen in his travel, and of the interesting events which had clung to his memory, and that he should speak of those whom he had met of the rulers of countries, of their distinguished men of learning, and their pious saints.

(राजा के द्वारा) एक शालीन निर्देश दिया गया कि वे (इब्न बतूता) अपनी यात्रा में देखे गए शहरों का, तथा अपनी स्मृति में बैठ गई रोचक घटनाओं का एक वृत्तांत लिखवाएँ, और साथ ही विभिन्न देशों के शासकों में से जिनसे वे मिले, उनके महान साहित्यकारों के तथा उनके धर्मनिष्ठ संतों के विषय में बताएँ।

Accordingly, he dictated upon these subjects a narrative which gave entertainment to the mind and delight to the ears and eyes, with a variety of curious particulars by the exposition of which he gave edification and of marvellous things, by referring to which he aroused interest.

तदनुसार उन्होंने इन सभी विषयों पर एक कथानक लिखवाया जिसने मस्तिष्क को मनोरंजन तथा कान और आँख को प्रसन्नता दी। साथ ही उन्होंने कई प्रकार के असाधारण विवरण जिनके प्रतिपादन से लाभप्रद उपदेश मिलते हैं, दिए तथा असाधारण चीज़ों के बारे में बताया जिनके संदर्भ से अभिरुचि जगी।

In the footsteps of Ibn Battuta

In the centuries between 1400 and 1800 visitors to India wrote a number of travelogues in Persian. At the same time, Indian visitors to Central Asia, Iran and the Ottoman empire also sometimes wrote about their experiences.

इब्न बतूता के पदचिह्नों पर

1400 से 1800 के बीच भारत आए यात्रियों ने फ़ारसी में कई यात्रा वृत्तांत लिखे। उसी समय भारत से मध्य एशिया, ईरान तथा ऑटोमन साम्राज्य की यात्रा करने वालों ने भी कभी–कभी अपने अनुभव लिखे।

These writers followed in the footsteps of Al-Biruni and Ibn Battuta, and had sometimes read these earlier authors.

इन लेखकों ने अल–बिरूनी और इब्न बतूता के पदचिह्नों का अनुसरण किया। इनमें से कुछ ने इन पूर्ववर्ती लेखकों को पढ़ा भी था।

Among the best known of these writers were Abdur Razzaq Samarqandi, who visited south India in the 1440s, Mahmud Wali Balkhi, who travelled very widely in the 1620s, and Shaikh Ali Hazin, who came to north India in the 1740s.

इनमें से सबसे प्रसिद्ध लेखकों में अब्दुर रज़्ज़ाक समरकंदी जिसने 1440 के दशक में दक्षिण भारत की यात्रा की थी, महमूद वली बल्खी, जिसने 1620 के दशक में व्यापक रूप से यात्राएँ की थीं तथा शेख़ अली हाज़िन जो 1740 के दशक में उत्तर भारत आया था, शामिल हैं।

Some of these authors were fascinated by India, and one of them – Mahmud Balkhi – even became a sort of sanyasi for a time. Others such as Hazin were disappointed and even disgusted with India, where they expected to receive a red carpet treatment. Most of them saw India as a land of wonders.

इनमें से कुछ लेखक भारत से सम्मोहित थे, और यहाँ तक कि उनमें से एक महमूद बल्ख़ी तो कुछ समय के लिए सन्यासी भी बन गया था। कुछ अन्य जैसे कि हाज़िन भारत से निराश हुए और यहाँ तक कि घृणा भी करने लगे। वे भारत में अपने लिए एक उत्सवीय स्वागत की आशा कर रहे थे। उनमें से अधिकांश ने भारत को अचंभों के देश के रूप में देखा।

François Bernier A Doctor with a Difference

फ्रांस्वा बर्नियर : एक विशिष्ट चिकित्सक

Portuguese arrived in India in about 1500

1500 ई. में भारत में पुर्तगालियों का आगमन हुआ।

Wrote detailed accounts regarding Indian social customs and religious practices.

भारतीय सामाजिक रीति–रिवाजों तथा धार्मिक प्रथाओं के विषय में विस्तृत वृत्तांत लिखे।

Jesuit Roberto Nobili, even translated Indian texts into European languages.

जेसुइट रॉबर्टो नोबिली, ने तो भारतीय ग्रंथों को यूरोपीय भाषाओं में अनुवादित भी किया।

Duarte Barbosa, who wrote a detailed account of trade and society in south India.

दुआर्ते बरबोसा का है जिसने दक्षिण भारत में व्यापार और समाज का एक विस्तृत विवरण लिखा।

Italian doctor Manucci, never returned to Europe, and settled down in India.

इतालवी चिकित्सक मनूकी, कभी भी यूरोप वापस नहीं गए और भारत में ही बस गए।

François Bernier, a Frenchman, was a doctor, political philosopher and historian.

फ्रांस का रहने वाला फ्रांस्वा बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था।

He came to the Mughal Empire

वह मुग़ल साम्राज्य में आया था।

Closely associated with the Mughal court, as a physician to Prince Dara Shukoh, the eldest son of Emperor Shah Jahan

मुग़ल दरबार से नज़दीकी रूप से जुड़ा रहा–पहले सम्राट शाहजहाँ के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह के चिकित्सक के रूप में,

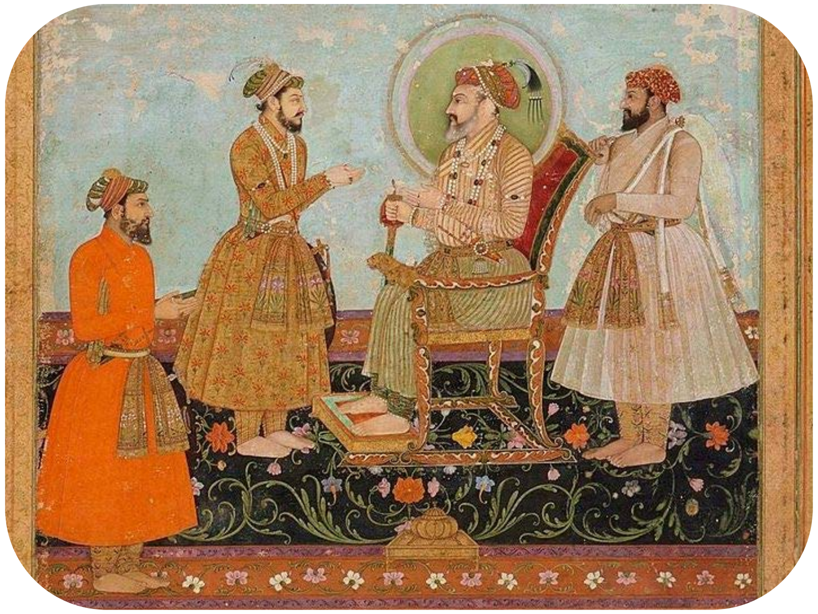

Bernier

बर्नियर

Wrote accounts of what he saw, frequently comparing what he saw in India with the situation in Europe. He dedicated his major writing to Louis XiV, the king of France.

जो देखा उसके विषय में विवरण लिखे। वह सामान्यत: भारत में जो देखता था उसकी तुलना यूरोपीय स्थिति से करता था।

Travelling with the Mughal army Bernier often travelled with the army. This is an excerpt from his description of the army's march to Kashmir:

मुग़ल सेना के साथ यात्रा बर्नियर ने कई बार मुग़ल सेना के साथ यात्राएँ की। यहाँ सेना के कश्मीर कूच के संबंध में दिए गए विवरण से एक अंश दिया जा रहा है :

I am expected to keep two good Turkoman horses, and I also take with me a powerful Persian camel and driver, a groom for my horses, a cook and a servant to go before my horse with a flask of water in his hand, according to the custom of the country.

इस देश की प्रथा के अनुसार मुझसे दो अच्छे तुर्कमान घोड़े देखने की अपेक्षा की जाती है और मैं अपने साथ एक शक्तिशाली फ़ारसी ऊँट तथा चालक, अपने घोड़ों के लिए एक साईस, एक खानसामा तथा एक सेवक जो हाथ में पानी का पात्र लेकर मेरे घोड़े के आगे चलता है, भी रखता हूँ।

I am also provided with every useful article, such as a tent of moderate size, a carpet, a portable bed made of four very strong but light canes, a pillow, a mattress, round leather table-cloths used at meals, some few napkins of dyed cloth, three small bags with culinary utensils which are all placed in a large bag, and this bag is again carried in a very capacious and strong double sack or net made of leather thongs.

मुझे हर उपयोगी वस्तु दी गई है जैसे औसत आकार का एक तंबू, एक दरी, चार बहुत कठोर पर हलके बेतों से बना एक छोटा बिस्तर, एक तकिया, एक बिछौना, भोजन के समय प्रयुक्त गोलाकार चमड़े के मेज़पोश, रँगे हुए कपड़ों के कुछ अंगौछे/नैपकिन, खाना बनाने के सामान से भरे तीन छोटे झोले जो सभी एक बड़े झोले में रखे हुए थे, और यह झोला भी एक लंबे-चौड़े तथा सुदृढ़ दुहरे बोरे अथवा चमड़े के पट्टों से बने जाल में रखा है।

This double sack likewise contains the provisions, linen and wearing apparel, both of master and servants. I have taken care to lay in a stock of excellent rice for five or six days' consumption, of sweet biscuits flavoured with anise (a herb), of limes and sugar

इसी तरह इस दुहरे बोरे में स्वामी और सेवकों की खाद्य सामग्री, साम्राज्य कपड़े तथा वस्त्र रखे गए हैं। मैंने ध्यानपूर्वक पाँच या छह दिनों के उपभोग के लिए बढ़ि चावल; सौंफ (एक प्रकार का शाक/पौधा) की सुगंध वाली मीठी रोटी, नींबू तथा चीनी का भंडार साथ रखा है।

Nor have I forgotten a linen bag with its small iron hook for the purpose of suspending and draining dahi or curds; nothing being considered so refreshing in this country as lemonade and dahi.

साथ ही मैं दही को टाँगने और पानी निकालने के लिए प्रयुक्त छोटे, लोहे के अंकुश वाला झोला लेना भी नहीं भूला हूँ। इस देश में नींबू के शरबत और दही से अधिक ताज़गी भरी वस्तु कोई नहीं मानी जाती।

The creation and circulation of ideas about India

The writings of European travellers helped produce an image of India for Europeans through the printing and circulation of their books.

भारत के विषय में विचारों का निर्माण व प्रसार

भारत के विषय में विचारों का सृजन और प्रसार कर यूरोपीय यात्रियों के वृत्तांतों ने उनकी पुस्तकों के प्रकाशन और प्रसार के माध्यम से यूरोपीय लोगों के लिए भारत की एक छवि के सृजन में सहायता की।

Later, after 1750, when Indians like Shaikh Itisamuddin and Mirza Abu Talib visited Europe and confronted this image that Europeans had of their society, they tried to influence it by producing their own version of matters.

बाद में, 1750 के बाद, जब शेख इतिसमुद्दीन तथा मिर्ज़ा अबु तालिब जैसे भारतीयों ने यूरोप की यात्रा की तो उन्हें यूरोपीय लोगों की भारतीय समाज की छवि का सामना करना पड़ा और उन्होंने तथ्यों की अपनी अलग व्याख्या के माध्यम से इसे प्रभावित करने का प्रयास किया।

Bernier's works were published in France in 1670-71 and translated into English, Dutch, German and Italian within the next five years.

बर्नियर के कार्य फ्रांस में 1670–71 में प्रकाशित हुए थे, और अगले पाँच वर्षों के भीतर ही अंग्रेज़ी, डच, जर्मन तथा इतालवी भाषाओं में इनका अनुवाद हो गया।

A language with an enormous range

Al-Biruni described Sanskrit as follows:

विशाल पहुँच वाली एक भाषा

संस्कृत के विषय में अल–बिरूनी यह लिखता है:

If you want to conquer this difficulty (i.e. to learn Sanskrit), you will not find it easy, because the language is of an enormous range, both in words and inflections, something like the Arabic, calling one and the same thing by various names, both original and derivative, and using one and the same word for a variety of subjects, which, in order to be properly understood, must be distinguished from each other by various qualifying epithets.

यदि आप इस कठिनाई (संस्कृत भाषा सीखने की) से पार पाना चाहते हैं तो यह आसान नहीं होगा क्योंकि अरबी भाषा की तरह ही, शब्दों तथा विभक्तियों, दोनों में ही इस भाषा की पहुँच बहुत विस्तृत है। इसमें एक ही वस्तु के लिए कई शब्द, मूल तथा व्युत्पन्न दोनों, प्रयुक्त होते हैं और एक ही शब्द का प्रयोग कई वस्तुओं के लिए होता है, जिन्हें भली प्रकार समझने के लिए विभिन्न विशेषक संकेतपदों के माध्यम से एक दूसरे से अलग किया जाना आवश्यक है।

God knows best!

Travellers did not always believe what they were told. When faced with the story of a wooden idol that supposedly lasted for 216,432 years, Al-Biruni asks:

How, then, could wood have lasted such a length of time, and particularly in a place where the air and the soil are rather wet? God knows best!.

ईश्वर ही जानता है!

यात्री हमेशा उन्हें बताई गई बातों पर विश्वास नहीं करते थे। अल-बिरूनी को जब ऐसी लकड़ी की मूर्ति की कहानी के बारे में पता चला जो तथाकथित रूप से 216,432 वर्षों तक अस्तित्व में रही, तो वह पूछता है:

फिर लकड़ी इतने लंबे समय तक अस्तित्व में कैसे रही होगी, विशेष रूप से ऐसे स्थान पर जहाँ हवा और मिट्टी काफ़ी आर्द्र होती है? ईश्वर ही जानता है!

Making Sense of an Alien World Al-Biruni and the Sanskritic Tradition

एक अपरिचित संसार की समझ अल-बिरूनी तथा संस्कृतवादी परंपरा

Al-Biruni

अल-बिरूनी

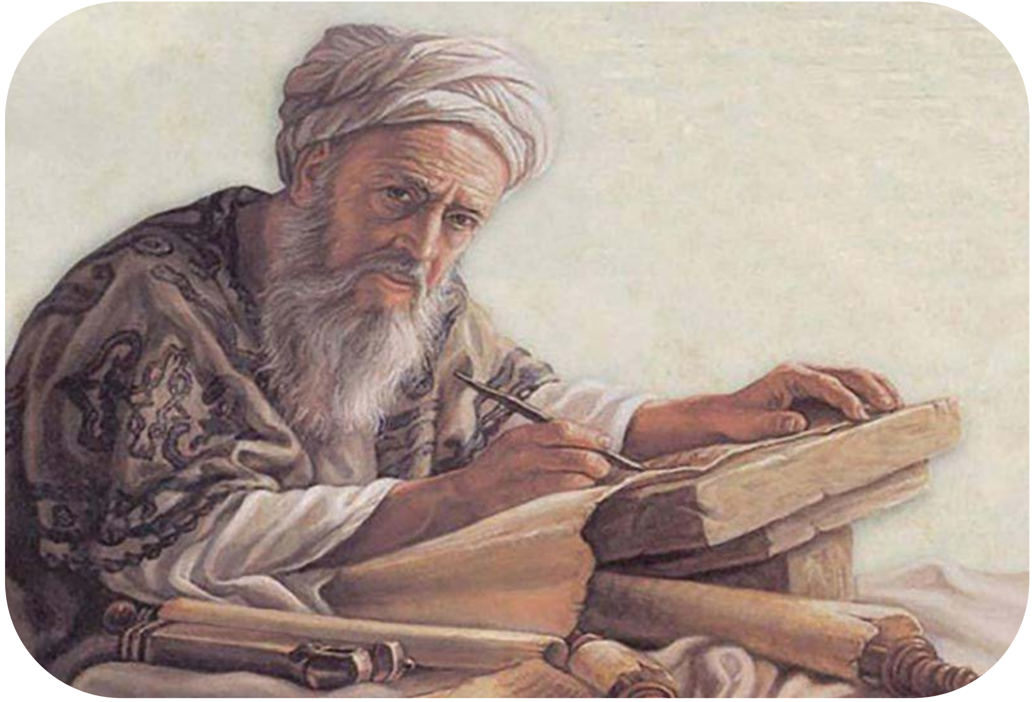

According to him, Sanskrit was so different from Arabic and Persian that ideas and concepts could not be easily translated from one language into another.

उसके अनुसार संस्कृत, अरबी और फ़ारसी से इतनी भिन्न थी कि विचारों और सिद्धांतों को एक भाषा से दूसरी में अनुवादित करना आसान नहीं था।

Second barrier he identified was the difference in religious beliefs and practices

उसके द्वारा चिह्नित दूसरा अवरोध धार्मिक अवस्था और प्रथा में भिन्नता थी।

The self-absorption and consequent insularity of the local population according to him, constituted the third barrier.

उसके अनुसार तीसरा अवरोध अभिमान था। अल-बिरूनी लगभग पूरी तरह से ब्राह्मणों द्वारा रचित कृतियों पर आश्रित रहा।

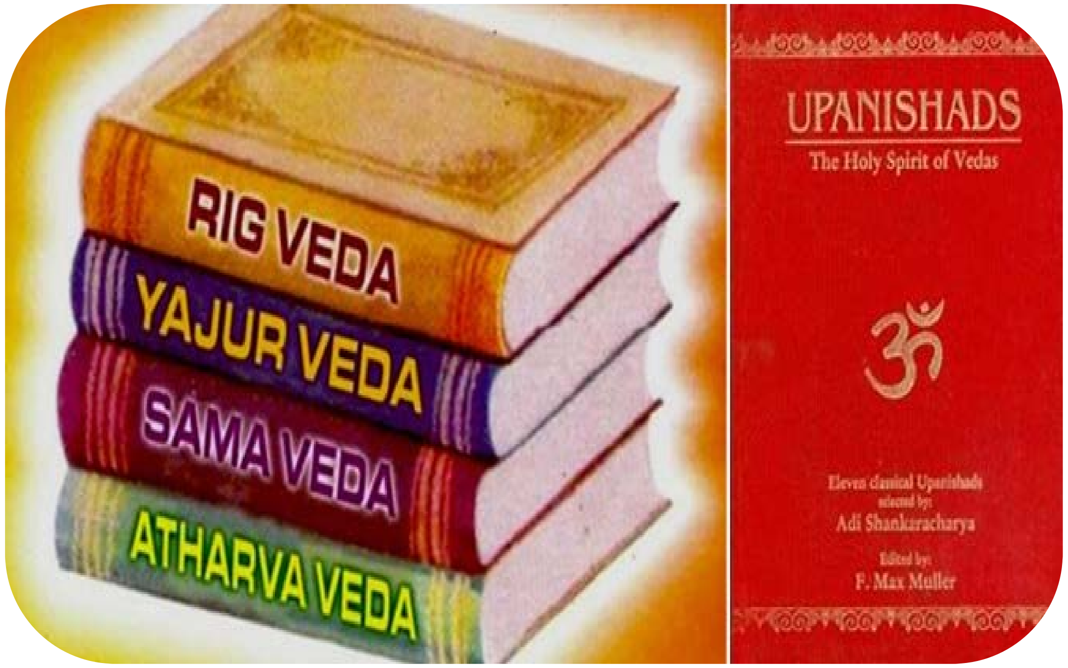

Al-Biruni depended almost exclusively on the works of Brahmanas, often citing passages from the Vedas, the Puranas, the Bhagavad Gita, the works of Patanjali, the Manusmriti, etc., to provide an understanding of Indian society.

अल–बिरूनी लगभग पूरी तरह से ब्राह्मणों द्वारा रचित कृतियों पर आश्रित रहा। उसने भारतीय समाज को समझने के लिए अकसर वेदों, पुराणों, भगवद्गीता, पतंजलि की कृतियों तथा मनुस्मृति आदि से अंश उद्धृत किए।

Al-Biruni tried to explain the caste system by looking for parallels in other societies.

अल–बिरूनी ने अन्य समुदायों में प्रतिरूपों की खोज के माध्यम से जाति व्यवस्था को समझने और व्याख्या करने का प्रयास किया।

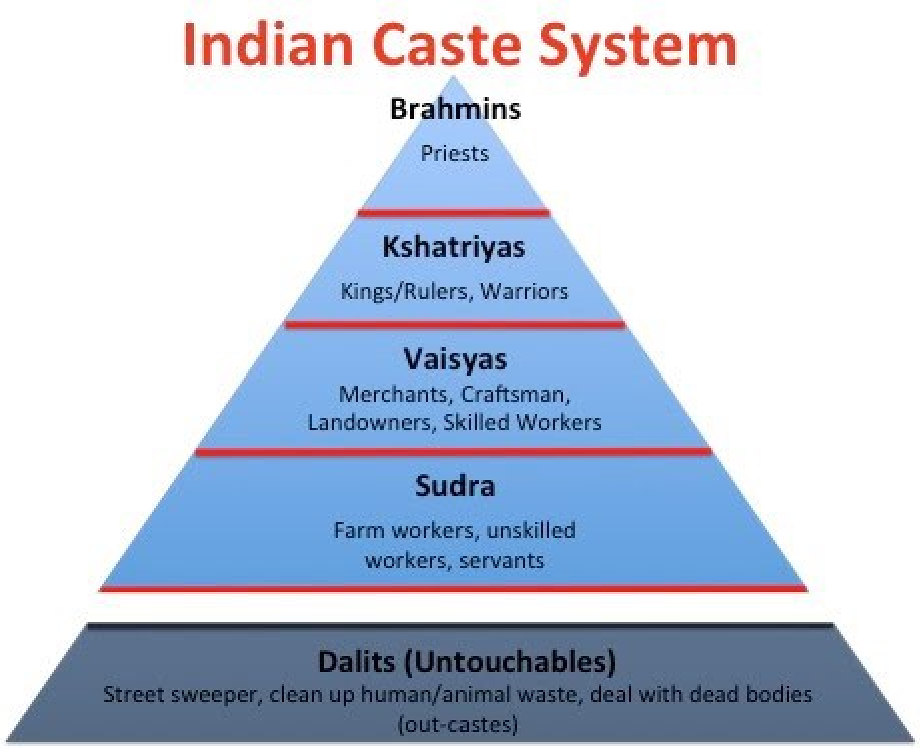

Suggest that social divisions were not unique to India

वह यह दिखाना चाहता था कि ये सामाजिक वर्ग केवल भारत तक ही सीमित नहीं थे।

Al-Biruni disapproved of the notion of pollution.

अल–बिरूनी ने अपवित्रता की मान्यता को अस्वीकार किया।

The sun cleanses the air, and the salt in the sea prevents the water from becoming polluted

सूर्य हवा को स्वच्छ करता है और समुद्र में नमक पानी को गंदा होने से बचाता है।

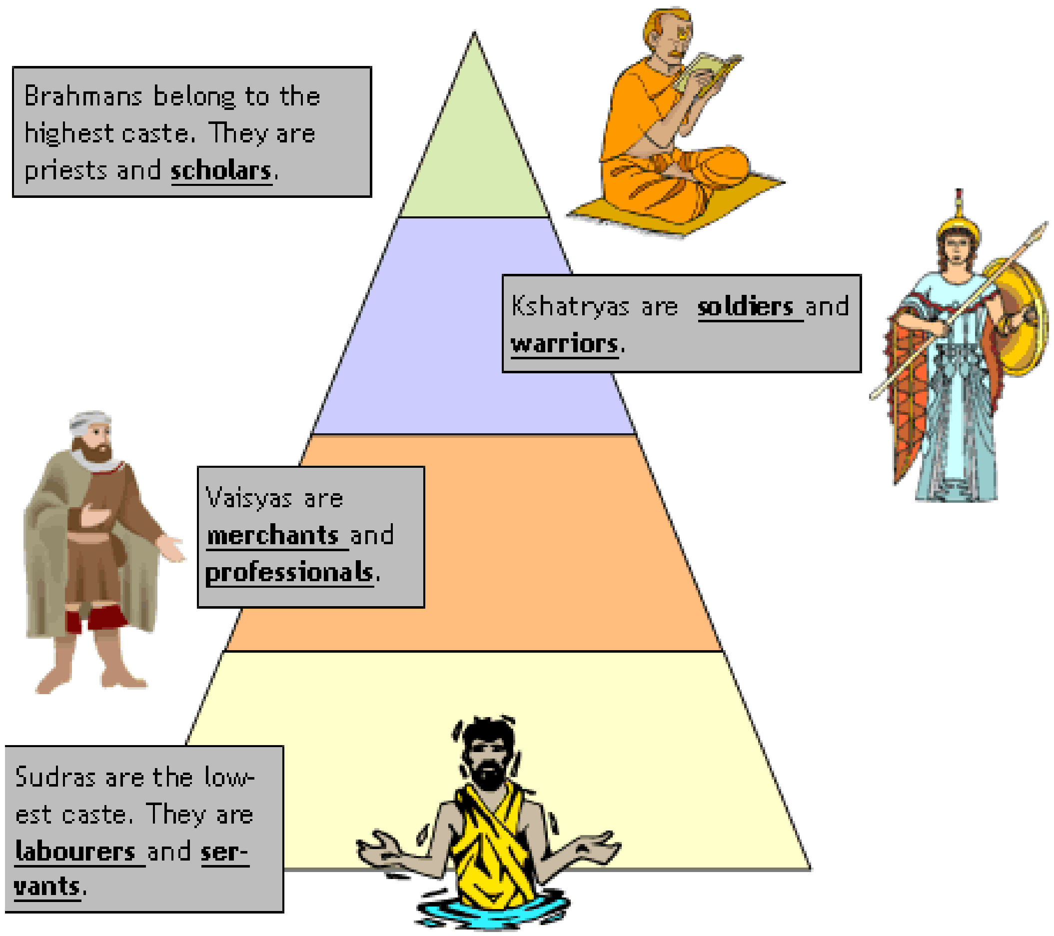

Al-Biruni's description of the caste system was deeply influenced by his study of normative Sanskrit texts which laid down the rules governing the system from the point of view of the Brahmanas.

जाति व्यवस्था के विषय में अल–बिरूनी का विवरण उसके नियामक संस्कृत ग्रंथों के अध्ययन से पूरी तरह से गहनता से प्रभावित था। इन ग्रंथों में ब्राह्मणों के दृष्टिकोण से जाति व्यवस्था को संचालित करने वाले नियमों का प्रतिपादन किया गया था।

The system of varnas

This is Al-Biruni's account of the system of varnas: The highest caste are the Brahmana, of whom the books of the Hindus tell us that they were created from the head of Brahman. And as the Brahman is only another name for the force called nature, and the head is the highest part of the … body, the Brahmana are the choice part of the whole genus. Therefore the Hindus consider them as the very best of mankind.

वर्ण व्यवस्था

अल–बिरूनी वर्ण व्यवस्था का इस प्रकार उल्लेख करता है: सबसे ऊँची जाति ब्राह्मणों की है जिनके विषय में हिंदुओं के ग्रंथ हमें बताते हैं कि वे ब्रह्मन् के सिर से उत्पन्न हुए थे और क्योंकि ब्रह्म, प्रकृति नामक शक्ति का ही दूसरा नाम है, और सिर.... शरीर का सबसे ऊपरी भाग है, इसलिए ब्राह्मण पूरी प्रजाति के सबसे चुनिंदा भाग हैं। इसी कारण से हिंदू उन्हें मानव जाति में सबसे उत्तम मानते हैं।

The next caste are the Kshatriya, who were created, as they say, from the shoulders and hands of Brahman. Their degree is not much below that of the Brahmana.

After them follow the Vaishya, who were created from the thigh of Brahman.

The Shudra, who were created from his feet . . .

अगली जाति क्षत्रियों की है जिनका सृजन, ऐसा कहा जाता है, ब्रह्मन् के कंधों और हाथों से हुआ था। उनका दर्जा ब्राह्मणों से अधिक नीचे नहीं है।

उनके पश्चात वैश्य आते हैं जिनका उद्भव ब्रह्मन् की जंघाओं से हुआ था।

शूद्र, जिनका सृजन उनके चरणों से हुआ था।

Between the latter two classes there is no very great distance. Much, however, as these classes differ from each other, they live together in the same towns and villages, mixed together in the same houses and lodgings.

अंतिम दो वर्गों के बीच अधिक अंतर नहीं है। लेकिन इन वर्गों के बीच भिन्नता होने पर भी ये एक साथ एक ही शहरों और गाँवों में रहते हैं, समान घरों और आवासों में मिल-जुल कर।

Nuts like a man's head

The following is how Ibn Battuta described the coconut: These trees are among the most peculiar trees in kind and most astonishing in habit. They look exactly like date-palms, without any difference between them except that the one produces nuts as its fruits and the other produces dates.

मानव सिर जैसे गिरिदार फल

नारियल का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है: ये वृक्ष स्वरूप से सबसे अनोखे तथा प्रकृति में सबसे विस्मयकारी वृक्षों में से एक हैं। ये हू-बहू खजूर के वृक्ष जैसे दिखते हैं। इनमें कोई अंतर नहीं है सिवाय एक अपवाद के – एक से काष्ठफल प्राप्त होता है और दूसरे से खजूर।

The nut of a coconut tree resembles a man's head, for in it are what look like two eyes and a mouth, and the inside of it when it is green looks like the brain, and attached to it is a fibre which looks like hair. They make from this cords with which they sew up ships instead of (using) iron nails, and they (also) make from it cables for vessels.

नारियल के वृक्ष का फल मानव सिर से मेल खाता है क्योंकि इसमें भी मानो दो आँखें तथा एक मुख है और अंदर का भाग हरा होने पर मस्तिष्क जैसा दिखता है और इससे जुड़ा रेशा बालों जैसा दिखाई देता है। वे इससे रस्सी बनाते हैं। लोहे की कीलों के प्रयोग के बजाय इनसे जहाज़ को सिलते हैं। वे इससे बर्तनों के लिए रस्सी भी बनाते हैं।

Ibn Battuta and the Excitement of the Unfamiliar

इब्न बतूता तथा अनजाने को जानने की उत्कंठा

Ibn Battuta arrived in Delhi

इब्न बतूता दिल्ली आया था

Ibn Battuta himself travelled extensively

इब्न बतूता ने स्वयं बड़े पैमाने पर यात्राएँ की

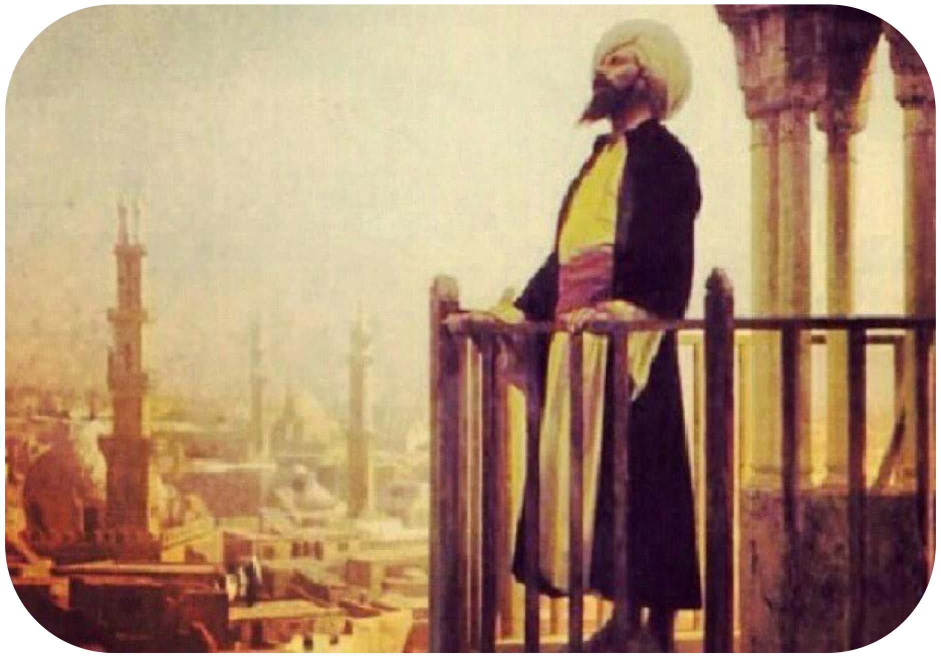

Visiting sacred shrines, spending time with learned men and rulers, often officiating as qazi, and enjoying the cosmopolitan culture of urban centres where people who spoke Arabic, Persian, Turkish and other languages, shared ideas, information and anecdotes.

पवित्र पूजास्थलों को देखा, विद्वान लोगों तथा शासकों के साथ समय बिताया, कई बार क़ाज़ी के पद पर रहा, तथा शहरी केन्द्रों की विश्ववादी संस्कृति का उपभोग किया जहाँ अरबी, फ़ारसी, तुर्की तथा अन्य भाषाएँ बोलने वाले लोग विचारों, सूचनाओं तथा उपाख्यानों का आदान-प्रदान करते थे।

Fig. 5.1b
A coconut
The coconut and the *paan* were things that struck many travellers as unusual.

Fig. 5.1a
Paan *leaves*

He described the coconut and the paan, two kinds of plant produce that were completely unfamiliar to his audience.

वह नारियल और पान, दो ऐसी वानस्पतिक उपज जिनसे उसके पाठक पूरी तरह से अपरिचित थे, का वर्णन करता है।

The paan

Read Ibn Battuta's description of the paan: The betel is a tree which is cultivated in the same manner as the grape-vine; … The betel has no fruit and is grown only for the sake of its leaves …

पान

इब्न बतूता द्वारा दिया गया पान का वर्णन पढ़िए:

पान एक ऐसा वृक्ष है जिसे अंगूर–लता की तरह ही उगाया जाता है;… पान का कोई फल नहीं होता और इसे केवल इसकी पत्तियों के लिए ही उगाया जाता है…

The manner of its use is that before eating it one takes areca nut; this is like a nutmeg but is broken up until it is reduced to small pellets, and one places these in his mouth and chews them. Then he takes the leaves of betel, puts a little chalk on them, and masticates them along with the betel.

इसे प्रयोग करने की विधि यह है कि इसे खाने से पहले सुपारी ली जाती है; यह जायफल जैसी ही होती है पर इसे तब तक तोड़ा जाता है जब तक इसके छोटे-छोटे टुकड़े नहीं हो जाते; और इन्हें मुँह में रख कर चबाया जाता है। इसके बाद पान की पत्तियों के साथ इन्हें चबाया जाता है।

Ibn Battuta found cities

इब्न बतूता ने शहरों को पाया

Exciting opportunities for those who had the necessary drive, resources and skills

व्यापक अवसरों से भरपूर पाया जिनके पास आवश्यक इच्छा, साधन तथा कौशल था।

Densely populated and prosperous

घनी आबादी वाले तथा समृद्ध थे

Most cities had crowded streets and bright and colourful markets

अधिकांश शहरों में भीड़-भाड़ वाली सड़कें तथा चमक-दमक वाले और रंगीन बाज़ार थे

Dehli

Here is an excerpt from Ibn Battuta's account of Delhi, often spelt as Dehli in texts of the period: The city of Dehli covers a wide area and has a large population ...

देहली

दिल्ली, जिसे तत्कालीन ग्रंथों में अक्सर देहली नाम से उद्धृत किया गया था, का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है: दिल्ली बड़े क्षेत्र में फैला घनी जनसंख्या वाला शहर है...

The rampart round the city is without parallel. The breadth of its wall is eleven cubits; and inside it are houses for the night sentry and gatekeepers.

शहर के चारों ओर बनी प्राचीर अतुलनीय है, दीवार की चौड़ाई ग्यारह हाथ (एक हाथ लगभग 20 इंच के बराबर) है; और इसके भीतर रात्रि के पहरेदार तथा द्वारपालों के कक्ष हैं।

Inside the ramparts, there are store-houses for storing edibles, magazines, ammunition, ballistas and siege machines. The grains that are stored (in these ramparts) can last for a long time, without rotting … In the interior of the rampart, horsemen as well as infantrymen move from one end of the city to another

प्राचीरों के अंदर खाद्यसामग्री, हथियार, बारूद, प्रक्षेपास्त्र तथा घेरेबंदी में काम आने वाली मशीनों के संग्रह के लिए भंडारगृह बने हुए थे... प्राचीर के भीतरी भाग में घुड़सवार तथा पैदल सैनिक शहर के एक से दूसरे छोर तक आते-जाते हैं।

The rampart is pierced through by windows which open on the side of the city, and it is through these windows that light enters inside. The lower part of the rampart is built of stone; the upper part of bricks. It has many towers close to one another.

प्राचीर में खिड़कियाँ बनी हैं जो शहर की ओर खुलती हैं और इन्हीं खिड़कियों के माध्यम से प्रकाश अंदर आता है। प्राचीर का निचला भाग पत्थर से बना है जबकि ऊपरी भाग ईंटों से। इसमें एक दूसरे के पास-पास बनी कई मीनारें हैं।

There are twenty eight gates of this city which are called darwaza, and of these, the Budaun darwaza is the greatest; inside the Mandwi darwaza there is a grain market; adjacent to the Gul darwaza there is an orchard …

इस शहर के अ;ाईस द्वार हैं जिन्हें दरवाज़ा कहा जाता है, और इनमें से बदायूँ दरवाज़ा सबसे विशाल है; मांडवी दरवाज़े के भीतर एक अनाज मंडी है; गुल दरवाज़े की बगल में एक फलों का बगीचा है...

It (the city of Dehli) has a fine cemetery in which graves have domes over them, and those that do not have a dome, have an arch, for sure. In the cemetery they sow flowers such as tuberose, jasmine, wild rose, etc.; and flowers blossom there in all seasons.

इस (देहली शहर) में एक बेहतरीन क़ब्रगाह है जिसमें बनी क़ब्रों के ऊपर गुंबद बनाई गई है और जिन क़ब्रों पर गुंबद नहीं है उनमें निश्चित रूप से महराबे है। क़ब्रगाह में कंदाकार चमेली तथा जंगली गुलाब जैसे फूल उगाए जाते हैं; और फूल सभी मौसमों में खिले रहते हैं।

Bazaars were not only places of economic transactions, but also the hub of social and cultural activities.

बाज़ार मात्र आर्थिक विनिमय के स्थान ही नहीं थे बल्कि ये सामाजिक तथा आर्थिक गतिविधियों के केंद्र भी थे।

Bazaars had a mosque and a temple

बाज़ारों में एक मस्जिद तथा एक मंदिर होता था

Spaces were marked for public performances by dancers, musicians and singers.

नर्तकों, संगीतकारों तथा गायकों के सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए स्थान भी चिह्नित थे।

Ibn Battuta was not particularly concerned with explaining the prosperity of towns

इब्न बतूता की शहरों की समृद्धि का वर्णन करने में अधिक रुचि नहीं थी

Ibn Battuta found Indian agriculture very productive because of the fertility of the soil

इब्न बतूता ने पाया कि भारतीय कृषि के इतना अधिक उत्पादनकारी होने का कारण मिट्टी का उपजाऊपन था।

Indian textiles, particularly cotton cloth, fine muslins, silks, brocade and satin, were in great demand.

भारतीय कपड़ों, विशेषरूप से सूती कपड़ा, महीन मलमल, रेशम, ज़री तथा साटन की अत्यधिक माँग थी।

Music in the market

Read Ibn Battuta's description of Daulatabad: In Daulatabad there is a market place for male and female singers, which is known as Tarababad. It is one of the greatest and most beautiful bazaars. It has numerous shops and every shop has a door which leads into the house of the owner ...

बाज़ार में संगीत

यहाँ इब्न बतूता द्वारा दौलताबाद के विवरण से एक अंश दिया जा रहा है: दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाज़ार है जिसे ताराबबाद कहते हैं। यह सबसे विशाल और सुंदर बाज़ारों में से एक है। यहाँ बहुत सी दुकानें हैं और प्रत्येक दुकान में एक ऐसा दरवाज़ा है जो मालिक के आवास में खुलता है..

The shops are decorated with carpets and at the centre of a shop there is a swing on which sits the female singer. She is decked with all kinds of finery and her female attendants swing her.

दुकानों को कालीनों से सजाया गया है और दुकान के मध्य में झूला है जिस पर गायिका बैठती है। वह सभी प्रकार की भव्य वस्तुओं से सजी होती है और उसकी सेविकाएँ उसे झूला झुलाती हैं।

In the middle of the market place there stands a large cupola, which is carpeted and decorated and in which the chief of the musicians takes his place every Thursday after the dawn prayers, accompanied by his servants and slaves.

बाज़ार के मध्य में एक विशाल गुंबद खड़ा है जिसमें कालीन बिछाए गए हैं और सजाया गया है इसमें प्रत्येक गुरुवार सुबह की इबादत के बाद संगीतकारों के प्रमुख, अपने सेवकों और दासों के साथ स्थान ग्रहण करते हैं।

The female singers come in successive crowds, sing before him and dance until dusk after which he withdraws. In this bazaar there are mosques for offering prayers … One of the Hindu rulers …

गायिकाएँ एक के बाद एक झुंडों में उनके समक्ष आकर सूर्यास्त का गीत गाती और नाचती हैं जिसके पश्चात वे चले जाते हैं। इस बाज़ार में इबादत के लिए मस्जिदें बनी हुई हैं… हिंदू शासकों में से एक…

The female singers come in successive crowds, sing before him and dance until dusk after which he withdraws. In this bazaar there are mosques for offering prayers ... One of the Hindu rulers ... alighted at the cupola every time he passed by this market place, and the female singers would sing before him. Even some Muslim rulers did the same.

गायिकाएँ एक के बाद एक झुंडों में उनके समक्ष आकर सूर्यास्त का गीत गाती और नाचती हैं जिसके पश्चात वे चले जाते हैं। इस बाज़ार में इबादत के लिए मस्जिदें बनी हुई हैं... हिंदू शासकों में से एक... जब भी बाज़ार से गुजरता था, गुंबद में उतर कर आता था और गायिकाएँ उसके समक्ष गान प्रस्तुत करती थी। यहाँ तक कि कई मुस्लिम शासक भी ऐसा ही करते थे। आपके विचार में इब्न बतूता ने अपने विवरण में इन गतिविधियों को रेखांकित क्यों किया?

All trade routes were well supplied with inns and guest houses.

सभी व्यापारिक मार्गों पर सराय तथा विश्राम गृह स्थापित किए गए थे।

Efficiency of the postal system which allowed merchants to not only send information and remit credit across long distances, but also to dispatch goods required at short notice.

डाक प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर चकित हुआ। इससे व्यापारियों के लिए न केवल लंबी दूरी तक सूचना भेजना और उधार प्रेषित करना संभव हुआ बल्कि अल्प सूचना पर माल भेजना भी।

A strange nation?

The travelogue of Abdur Razzaq written in the 1440s is an interesting mixture of emotions and perceptions.

एक विचित्र देश?

1440 के दशक में लिखा गया अब्दुर रज़्ज़ाक़ का यात्रा वृत्तांत संवेगों और अवबोधनों का एक रोचक मिश्रण है।

On the one hand, he did not appreciate what he saw in the port of Calicut (present-day Kozhikode) in Kerala, which was populated by "a people the likes of whom I had never imagined", describing them as "a strange nation"

एक ओर केरल में कालीकट (आधुनिक कोज़ीकोड), बंदरगाह पर उसने जो देखा उसे प्रशंसनीय नहीं माना, "यहाँ ऐसे लोग बसे हुए थे जिनकी कल्पना मैने कभी भी नहीं की थी।" इन लोगों को उसने एक 'विचित्र देश' बताया।

Later in his visit to India, he arrived in Mangalore, and crossed the Western Ghats. Here he saw a temple that filled him with admiration:

Within three leagues (about nine miles of Mangalore, I saw an idol-house the likes of which is not to be found in all the world.

कालांतर में अपनी भारत यात्रा के दौरान वह मंगलौर आया, और पश्चिमी घाट को पार किया। यहाँ उसने एक मंदिर देखा जिसने उसे प्रशंसा से भर दिया–

मंगलौर से नौ मील के भीतर ही, मैंने एक ऐसा पूजा–स्थल देखा जो पूरे विश्व में अतुलनीय है।

It was a square, approximately ten yards a side, five yards in height, all covered with cast bronze, with four porticos. In the entrance portico was a statue in the likeness of a human being, full stature, made of gold. It had two red rubies for eyes, so cunningly made that you would say it could see. What craft and artisanship!

यह वर्गाकार था जिसकी प्रत्येक भुजा लगभग दस गज, ऊँचाई पाँच गज़ थी और जो चार द्वार-मंडपों के साथ, पूरी तरह से ढँका हुआ था। प्रवेशद्वार के द्वार-मंडप में सोने की बनी एक मूर्ति थी जो मानव आकृति जैसी तथा आदमकद थी। इसकी दोनों आँखों में काले रंग के माणिक इतनी चतुराई से लगाए गए थे कि प्रतीत होता था मानो वह देख सकती हों। इस शिल्प और कारीगरी के क्या कहने!

On horse and on foot

This is how Ibn Battuta describes the postal system:

In India the postal system is of two kinds. The horsepost, called uluq, is run by royal horses stationed at a distance of every four miles.

घोड़े पर और पैदल

डाक व्यवस्था का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है:

भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था है। अश्व डाक व्यवस्था जिसे उलुक कहा जाता है, हर चार मील की दूरी पर स्थापित राजकीय घोड़ों द्वारा चालित होती है।

This is how Ibn Battuta describes the postal system:

In India the postal system is of two kinds. The horsepost, called uluq, is run by royal horses stationed at a distance of every four miles.

डाक व्यवस्था का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है:

भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था है। अश्व डाक व्यवस्था जिसे उलुक कहा जाता है, हर चार मील की दूरी पर स्थापित राजकीय घोड़ों द्वारा चालित होती है।

The foot-post has three stations per mile; it is called dawa, that is one-third of a mile … Now, at every third of a mile there is a wellpopulated village, outside which are three pavilions in which sit men with girded loins ready to start. Each of them carries a rod, two cubits in length, with copper bells at the top

पैदल डाक व्यवस्था के प्रति मील तीन अवस्थान होते हैं; इसे दावा कहा जाता है, और यह एक मील का एक–तिहाई होता है… अब, हर तीन मील पर घनी आबादी वाला एक गाँव होता है जिसके बाहर तीन मंडप होते हैं जिनमें लोग कार्य आरंभ के लिए तैयार बैठे रहते हैं। उनमें से प्रत्येक के पास दो हाथ लंबी एक छड़ होती है जिसके ऊपर ताँबे की घंटियाँ लगी होती हैं।

When the courier starts from the city he holds the letter in one hand and the rod with its bells on the other; and he runs as fast as he can. When the men in the pavilion hear the ringing of the bell they get ready. As soon as the courier reaches them, one of them takes the letter from his hand and runs at top speed shaking the rod all the while until he reaches the next dawa.

जब संदेशवाहक शहर से यात्रा आरंभ करता है तो एक हाथ में पत्र तथा दूसरे में घंटियों सहित छड़ लिए वह क्षमतानुसार तेज़ भागता है। जब मंडप में बैठे लोग घंटियों की आवाज़ सुनते हैं तो वे तैयार हो जाते हैं। जैसे ही संदेशवाहक उनके पास पहुँचता है, उनमें से एक उससे पत्र लेता है और वह छड़ हिलाते हुए पूरी ताकत से दौड़ता है, जब तक वह अगले दावा तक नहीं पहुँच जाता।

And the same process continues till the letter reaches its destination. This foot-post is quicker than the horse-post; and often it is used to transport the fruits of Khurasan which are much desired in India

पत्र के अपने गंतव्य स्थान तक पहुँचने तक यही प्रक्रिया चलती रहती है। यह पैदल डाक व्यवस्था अश्व डाक व्यवस्था से अधिक–तीव्र होती है; और इसका प्रयोग अकसर खुरासान के फलों के परिवहन के लिए होता है, जिन्हें भारत में बहुत पसंद किया जाता है।

Bernier and the "Degenerate" East

बर्नियर तथा "अपविकसित" पूर्व

If Ibn Battuta chose to describe everything that impressed and excited him because of its novelty, François Bernier belonged to a different intellectual tradition.

जहाँ इब्न बतूता ने हर उस चीज़ का वर्णन करने का निश्चय किया जिसने उसे अपने अनूठेपन के कारण प्रभावित और उत्सुक किया, वहीं बर्नियर एक भिन्न बुद्धिजीवी परंपरा से संबंधित था।

He was far more preoccupied with comparing and contrasting what he saw in India with the situation in Europe in general and France in particular, focusing on situations which he considered depressing

उसने भारत में जो भी देखा, वह उसकी सामान्य रूप से यूरोप और विशेष रूप से फ्रांस में व्याप्त स्थितियों से तुलना तथा भिन्नता को उजागर करने के प्रति अधिक चिंतित था, विशेष रूप से वे स्थितियाँ जिन्हें उसने अवसादकारी पाया।

Bernier's Travels in the Mughal Empire is marked by detailed observations, critical insights and reflection

बर्नियर के ग्रंथ ट्रैवल्स इन द मुग़ल एम्पायर अपने गहन प्रेक्षण, आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि तथा गहन चिंतन के लिए उल्लेखनीय है।

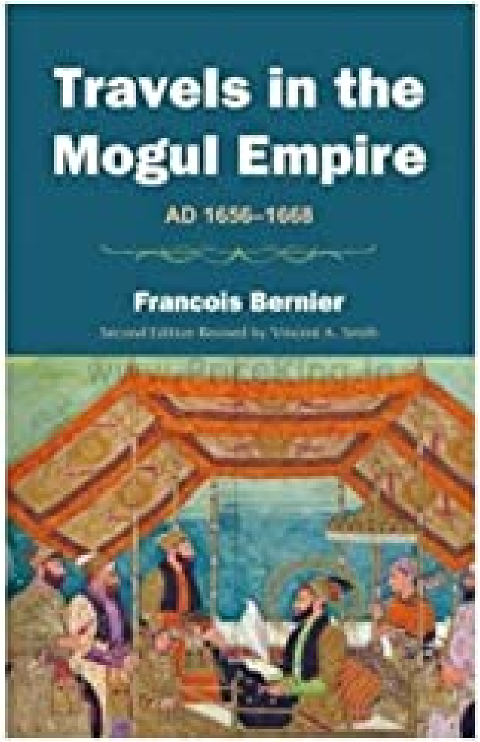

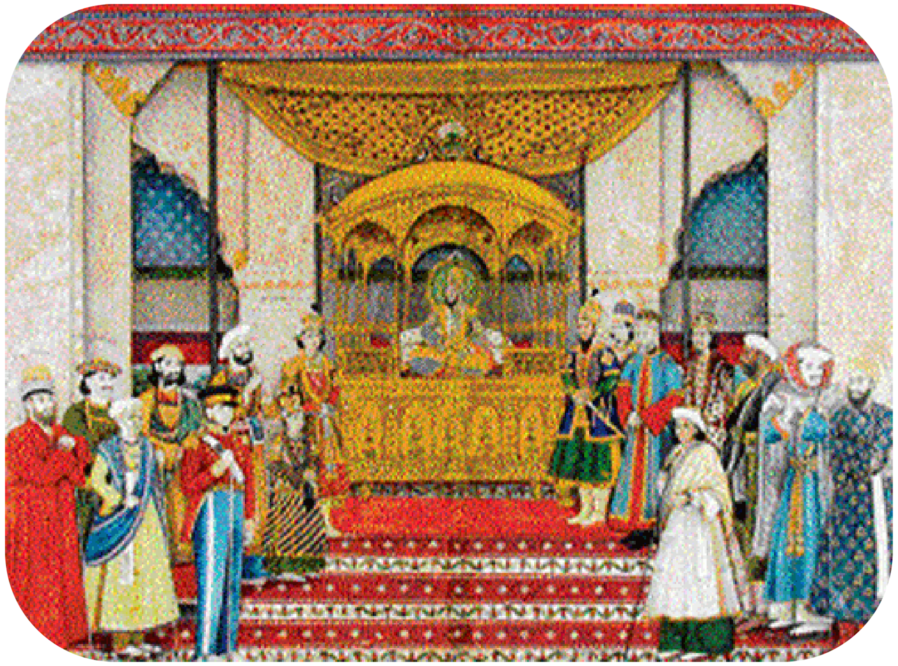

He constantly compared Mughal India with contemporary Europe

वह निरंतर मुग़लकालीन भारत की तुलना तत्कालीन यूरोप से करता रहा

India is presented as the inverse of Europe. He also ordered the perceived differences hierarchically, so that India appeared to be inferior to the Western world.

भारत को यूरोप के प्रतिलोम के रूप में दिखाया गया है, या फिर यूरोप का ''विपरीत'' जैसा कि कुछ इतिहासकार परिभाषित करते हैं। उसने जो भिन्नताएँ महसूस कीं उन्हें भी पदानुक्रम के अनुसार क्रमबद्ध किया, जिससे भारत, पश्चिमी दुनिया को निम्न कोटि का प्रतीत हो।

Widespread poverty

Pelsaert, a Dutch traveller, visited the subcontinent during the early decades of the seventeenth century.

व्यापक गरीबी

पेलसर्ट नामक एक डच यात्री ने सत्रहवीं शताब्दी के आरंभिक दशकों में उपमहाद्वीप की यात्रा की थी।

Like Bernier, he was shocked to see the widespread poverty, "poverty so great and miserable that the life of the people can be depicted or accurately described only as the home of stark want and the dwelling place of bitter woe".

बर्नियर की ही तरह वह भी लोगों में व्यापक गरीबी देखकर अचंभित था। लोग "इतनी अधिक तथा दुखद गरीबी" में रहते हैं कि "इनके जीवन को मात्र नितांत अभाव के घर तथा कठोर कष्ट दुर्भाग्य के आवास के रूप में चित्रित अथवा ठीक प्रकार से वर्णित किया जा सकता है।"

Holding the state responsible, he says: “So much is wrung from the peasants that even dry bread is scarcely left to fill their stomachs.”

राज्य को उत्तरदायी ठहराते हुए, वह कहता है: “कृषकों को इतना अधिक निचोड़ा जाता है कि पेट भरने के लिए उनके पास सूखी रोटी भी मुश्किल से बचती है।”

According to Bernier

बर्नियर के अनुसार

Differences between Mughal India and Europe was the lack of private property in land in the former.

भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं में से एक भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था।

Mughal Empire the emperor owned all the land and distributed it among his nobles

मुग़ल साम्राज्य में सम्राट सारी भूमि का स्वामी था जो इसे अपने अमीरों के बीच बाँटता था

Owing to crown ownership of land, argued Bernier, landholders could not pass on their land to their children.

राजकीय भूस्वामित्व के कारण, बर्नियर तर्क देता है, भूधारक अपने बच्चों को भूमि नहीं दे सकते थे।

The poorest of the poor and the richest of the rich, there was no social group or class worth the name. Bernier confidently asserted: "There is no middle state in India."

गरीबों में सबसे गरीब तथा अमीरों में सबसे अमीर व्यक्ति के बीच नाममात्र को भी कोई सामाजिक समूह या वर्ग नहीं था। बर्नियर बहुत विश्वास से कहता है, "भारत में मध्य की स्थिति के लोग नहीं है।"

The poor peasant

An excerpt from Bernier's description of the peasantry in the countryside:

Of the vast tracts of country constituting the empire of Hindustan, many are little more than sand, or barren mountains, badly cultivated, and thinly populated.

ग़रीब किसान

यहाँ बर्नियर द्वारा ग्रामीण अंचल में कृषकों के विषय में दिए गए विवरण से एक उद्धरण दिया जा रहा है:

हिंदुस्तान के साम्राज्य के विशाल ग्रामीण अंचलों में से कई केवल रेतीली भूमियाँ या बंजर पर्वत ही हैं। यहाँ की खेती अच्छी नहीं है और इन इलाकों की आबादी भी कम है।

Even a considerable portion of the good land remains untilled for want of labourers; many of whom perish in consequence of the bad treatment they experience from Governors.

यहाँ तक कि कृषियोग्य भूमि का एक बड़ा हिस्सा भी श्रमिकों के अभाव में कृषि विहीन रह जाता है; इनमें से कई श्रमिक गवर्नरों द्वारा किए गए बुरे व्यवहार के फलस्वरूप मर जाते हैं।

The poor people, when they become incapable of discharging the demands of their rapacious lords, are not only often deprived of the means of subsistence, but are also made to lose their children, who are carried away as slaves.

गरीब लोग जब अपने लोभी स्वामियों की माँगों को पूरा करने में असमर्थ हो जाते हैं तो उन्हें न केवल जीवन–निर्वहन के साधनों से वंचित कर दिया जाता है, बल्कि उन्हें अपने बच्चों से भी हाथ धोना पड़ता है, जिन्हें दास बना कर ले जाया जाता है।

Thus, it happens that the peasantry, driven to despair by so excessive a tyranny, abandon the country.

इस प्रकार ऐसा होता है कि इस अत्यंत निरंकुशता से हताश हो किसान गाँव छोड़कर चले जाते हैं।

In this instance, Bernier was participating in contemporary debates in Europe concerning the nature of state and society, and intended that his description of Mughal India would serve as a warning to those who did not recognise the "merits" of private property.

इस उद्धरण में बर्नियर राज्य और समाज से संबंधित यूरोप में प्रचलित तत्कालीन विवादों में भाग ले रहा था, और उसका प्रयास था कि मुग़ल कालीन भारत से संबंधित उसका विवरण यूरोप में उन लोगों के लिए एक चेतावनी का कार्य करेगा जो निजी स्वामित्व की "अच्छाइयों" को स्वीकार नहीं करते थे।

A warning for Europe

Bernier warned that if European kings followed the Mughal model: Their kingdoms would be very far from being wellcultivated and peopled, so well built, so rich, so polite and flourishing as we see them.

यूरोप के लिए एक चेतावनी

बर्नियर चेतावनी देता है कि यदि यूरोपीय शासकों ने मुग़ल ढाँचे का अनुसरण किया तो : उनके राज्य इस प्रकार अच्छी तरह से जुते और बसे हुए, इतनी अच्छी तरह से निर्मित, इतने समृद्ध, इतने सुशिष्ट तथा फलते-फूलते नहीं रह जाएँगे जैसा कि हम उन्हें देखते हैं।

Our kings are otherwise rich and powerful; and we must avow that they are much better and more royally served. They would soon be kings of deserts and solitudes, of beggars and barbarians, such as those are whom I have been representing (the Mughals) ...

दूसरी दृष्टि से हमारे शासक अमीर और शक्तिशाली हैं; और हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी और बेहतर और राजसी ढंग से सेवा हो। वे जल्द ही रेगिस्तान तथा निर्जन स्थानों के, भिखारियों तथा क्रूर लोगों के राजा बनकर रह जाएँगे जैसे कि वे जिनके विषय में मैंने वर्णन किया है। (मुग़ल शासक) ...

We should find the great Cities and the great Burroughs (boroughs) rendered uninhabitable because of ill air, and to fall to ruine (ruin) without any bodies (anybody) taking care of repairing them; the hillocks abandon'd, and the fields overspread with bushes, or fill'd with pestilential marishes (marshes), as hath been already intimated.

हम उन महान शहरों और नगरों को खराब हवा के कारण न रहने योग्य अवस्था में पाएँगे, तथा विनाश की स्थिति में, जिनके जीर्णोद्धार की किसी को चिंता नहीं है, व्यक्त टीले और झाड़ियों अथवा घातक दलदल से भरे हुए खेत, जैसा कि पहले ही बताया गया है।

- **Bernier saw the Mughal Empire – its king was the king of "beggars and barbarians"; its cities and towns were ruined and contaminated with "ill air"; and its fields, "overspread with bushes" and full of "pestilential marishes".**
- **बर्नियर ने मुग़ल साम्राज्य को इस रूप में देखा–इसका राजा "भिखारियों और क्रूर लोगों" का राजा था; इसके शहर और नगर विनष्ट तथा "खराब हवा" से दूषित थे; और इसके खेत "झाड़ीदार" तथा "घातक दलदल" से भरे हुए थे**

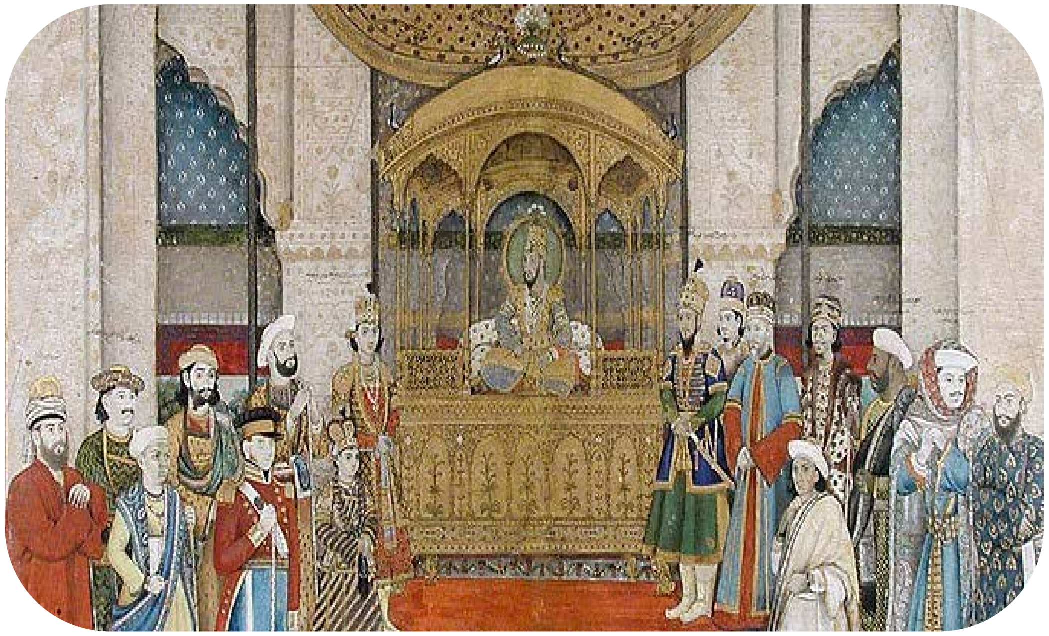

- **And, all this was because of one reason: crown ownership of land.**
- **और इसका मात्र एक ही कारण था– राजकीय भूस्वामित्व।**

None of the Mughal official documents suggest that the state was the sole owner of land.

एक भी सरकारी मुग़ल दस्तावेज़ यह इंगित नहीं करता कि राज्य ही भूमि का एकमात्र स्वामी था।

French philosopher Montesquieu

फ्रांसीसी दार्शनिक मॉन्टेस्क्यू

- **Account to develop the idea of oriental despotism, according to which rulers in Asia (the Orient or the East) enjoyed absolute authority over their subjects, who were kept in conditions of subjugation and poverty, arguing that all land belonged to the king and that private property was non-existent.**
- प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत को विकसित करने में किया, जिसके अनुसार एशिया (प्राच्य अथवा पूर्व) में शासक अपनी प्रजा के ऊपर निर्बाध प्रभुत्व का उपभोग करते थे, जिसे दासता और गरीबी की स्थितियों में रखा जाता था। इस तर्क का आधार यह था कि सारी भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था तथा निजी संपत्ति अस्तित्व में नहीं थी।

- **According to this view, everybody, except the emperor and his nobles, barely managed to survive.**
- **इस दृष्टिकोण के अनुसार राजा और उसके अमीर वर्ग को छोड़ प्रत्येक व्यक्ति मुश्किल से गुजर–बसर कर पाता था।**

Bernier's

बर्नियन का

Felt that artisans had no incentive to improve the quality of their manufactures

शिल्पकारों के पास अपने उत्पादों को बेहतर बनाने का कोई प्रोत्साहन नहीं था

Manufactures were, consequently, everywhere in decline

उत्पादन हर जगह पतनोन्मुख था।

Quantities of the world's precious metals flowed into India, as manufactures were exported in exchange for gold and silver

पूरे विश्व से बड़ी मात्रा में बहुमूल्य धातुएँ भारत में आती थीं क्योंकि उत्पादों का सोने और चाँदी के बदले निर्यात होता था।

A different socio-economic scenario

Read this excerpt from Bernier's description of both agriculture and craft production :

एक भिन्न सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य

बर्नियर के वृत्तांत से लिए गए इस उद्धरण को पढ़िए जिसमें कृषि तथा शिल्प–उत्पादन दोनों का विवरण दिया गया है:

It is important to observe, that of this vast tract of country, a large portion is extremely fertile; the large kingdom of Bengale (Bengal), for instance, surpassing Egypt itself, not only in the production of rice, corn, and other necessaries of life, but of innumerable articles of commerce which are not cultivated in Egypt; such as silks, cotton, and indigo.

यह ध्यान देना आवश्यक है कि इस देश के विस्तृत भू–भाग का अधिकांश भाग अत्यधिक उपजाऊ है; उदाहरण के लिए, बंगाल का विशाल राज्य जो मिस्र से न केवल चावल, मकई तथा जीवन की अन्य आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन में, बल्कि उन अनगिनत वाणिज्यिक वस्तुओं के संदर्भ में, जो मिस्र में भी नहीं उगाई जातीं, जैसे रेशम, कपास तथा नील कहीं आगे है

There are also many parts of the Indies, where the population is sufficiently abundant, and the land pretty well tilled; and where the artisan, although naturally indolent, is yet compelled by necessity or otherwise to employ himself in manufacturing carpets, brocades, embroideries, gold and silver cloths, and the various sorts of silk and cotton goods, which are used in the country or exported abroad.

भारत के कई ऐसे भाग भी हैं जहाँ जनसंख्या पर्याप्त है और भूमि पर खेती अच्छी होती है; और जहाँ एक शिल्पकार जो हालाँकि मूल रूप से आलसी होता है, आवश्यकता से या किसी अन्य कारण से अपने आप को गलीचों, ज़री, कसीदाकारी कढ़ाई, सोने और चाँदी के वस्त्रों, तथा विभिन्न प्रकार के रेशम तथा सूती वस्त्रों, जो देश में भी प्रयोग होते हैं और विदेश में निर्यात किए जाते हैं, के निर्माण का कार्य करने के लिए बाध्य हो जाता है।

It should not escape notice that gold and silver, after circulating in every other quarter of the globe, come at length to be swallowed up, lost in some measure, in Hindustan.

यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पूरे विश्व के सभी भागों में संचलन के पश्चात सोना और चाँदी भारत में आकर कुछ हद तक खो जाता है।

The imperial karkhanas

Bernier is perhaps the only historian who provides a detailed account of the working of the imperial karkhanas or workshops:

राजकीय कारखाने

संभवतः बर्नियर एकमात्र ऐसा इतिहासकार है जो राजकीय कारखानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत विवरण प्रदान करता है:

Large halls are seen at many places, called karkhanas or workshops for the artisans. In one hall, embroiderers are busily employed, superintended by a master.

कई स्थानों पर बड़े कक्ष दिखाई देते हैं जिन्हें कारखाना अथवा शिल्पकारों की कार्यशाला कहते हैं। एक कक्ष में कसीदाकार एक मास्टर के निरीक्षण में व्यस्तता से कार्यरत रहते हैं।

In another, you see the goldsmiths; in a third, painters; in a fourth, varnishers in lacquer-work; in a fifth, joiners, turners, tailors and shoe-makers; in a sixth, manufacturers of silk, brocade and fine muslins ...

एक अन्य में आप सुनारों को देखते हैं; तीसरे में, चित्रकार; चौथे में, प्रलाक्षा रस का रोगन लगाने वाले; पाँचवें में बढ़ई, खरादी, दर्जी तथा जूते बनाने वाले; छठे में रेशम, जरी तथा महीन मलमल का काम करने वाले...

The artisans come every morning to their karkhanas where they remain employed the whole day; and in the evening return to their homes. In this quiet regular manner, their time glides away; no one aspiring for any improvement in the condition of life wherein he happens to be born.

शिल्पकार अपने कारखानों में हर रोज़ सुबह आते हैं जहाँ वे पूरे दिन कार्यरत रहते हैं; और शाम को अपने–अपने घर चले जाते हैं। इसी निश्चेष्ट नियमित ढंग से उनका समय बीतता जाता है; कोई भी जीवन की उन स्थितियों में सुधार करने का इच्छुक नहीं है जिनमें वह पैदा हुआ था।

15 per cent of the population lived in towns.

पंद्रह प्रतिशत भाग नगरों में रहता था।

On average, higher than the proportion of urban population in Western Europe

यह औसतन उसी समय पश्चिमी यूरोप की नगरीय जनसंख्या के अनुपात से अधिक था।

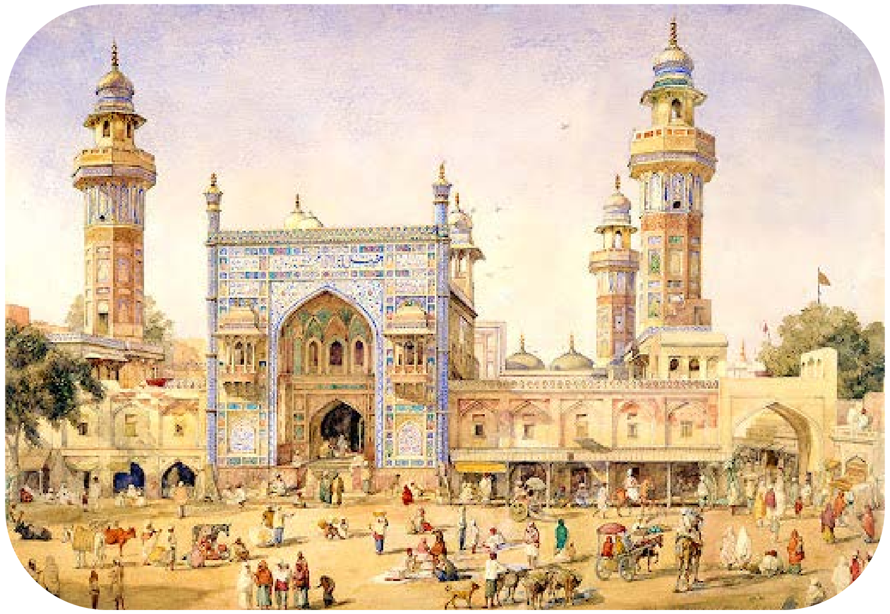

Bernier described Mughal cities as "camp towns", by which he meant towns that owed their existence, and depended for their survival, on the imperial camp.

बर्नियर मुग़लकालीन शहरों को "शिविर नगर" कहता है, जिससे उसका आशय उन नगरों से था जो अपने अस्तित्व और बने रहने के लिए राजकीय शिविर पर निर्भर थे।

There were all kinds of towns: manufacturing towns, trading towns, port-towns, sacred centres, pilgrimage towns, etc. Their existence is an index of the prosperity of merchant communities and professional classes.

वास्तव में सभी प्रकार के नगर अस्तित्व में थेः उत्पादन केंद्र, व्यापारिक नगर, बंदरगाह नगर, धार्मिक केंद्र, तीर्थ स्थान आदि। इनका अस्तित्व समृद्ध व्यापारिक समुदायों तथा व्यावसायिक वर्गों के अस्तित्व का सूचक है।

Slave women

Ibn Battuta informs us: It is the habit of the emperor … to keep with every noble, great or small, one of his slaves who spies on the nobles.

दासियाँ

इब्न बतूता हमें बताता है: यह सम्राट की आदत है… हर बड़े या छोटे अमीर के साथ अपने दासों में से एक को रखने की जो उसके अमीरों की मुखबिरी करता है।

He also appoints female scavengers who enter the houses unannounced; and to them the slave girls communicate all the information they possess. Most female slaves were captured in raids and expeditions.

वह महिला सफाई कर्मचारियों को भी नियुक्त करता है जो बिना बताए घर में दाखिल हो जाती हैं: और दासियों के पास जो भी जानकारी होती है, वे उन्हें दे देती हैं। अधिकांश दासियों को हमलों और अभियानों के दौरान बलपूर्वक प्राप्त किया जाता था।

The child sati

This is perhaps one of the most poignant descriptions by Bernier:

At Lahore I saw a most beautiful young widow sacrificed, who could not, I think, have been more than twelve years of age.

सती बालिका

यह संभवतः बर्नियर के वृत्तांत के सबसे मार्मिक विवरणों में से एक है:

लाहौर में मैंने एक बहुत ही सुंदर अल्पवयस्क विधवा जिसकी आयु मेरे विचार में बारह वर्ष से अधिक नहीं थी, की बलि होते हुए देखी।

The poor little creature appeared more dead than alive when she approached the dreadful pit: the agony of her mind cannot be described;

उस भयानक नर्क की ओर जाते हुए वह असहाय छोटी बच्ची जीवित से अधिक मृत प्रतीत हो रही थी; उसके मस्तिष्क की व्यथा का वर्णन नहीं किया जा सकता;

She trembled and wept bitterly; but three or four of the Brahmanas, assisted by an old woman who held her under the arm, forced the unwilling victim toward the fatal spot, seated her on the wood, tied her hands and feet, lest she should run away, and in that situation the innocent creature was burnt alive.

वह काँपते हुए बुरी तरह से रो रही थी; लेकिन तीन या चार ब्राह्मण, एक बूढ़ी औरत, जिसने उसे अपनी आस्तीन के नीचे दबाया हुआ था, की सहायता से उस अनिच्छुक पीड़िता को जबरन घातक स्थल की ओर ले गए, उसे लकड़ियों पर बैठाया, उसके हाथ और पैर बाँध दिए ताकि वह भाग न जाए और इस स्थिति में उस मासूम प्राणी को ज़िन्दा जला दिया गया।

I found it difficult to repress my feelings and to prevent their bursting forth into clamorous and unavailing rage …

मैं अपनी भावनाओं को दबाने में और उनके कोलाहलपूर्ण तथा व्यर्थ के क्रोध को बाहर आने से रोकने में असमर्थ था…

Women Slaves, Sati and Labourers

महिलाएँ : दासियाँ, सती तथा श्रमिक

Travellers who left written accounts were generally men

जिन यात्रियों ने अपने लिखित वृत्तांत छोड़े वे सामान्यतया पुरुष थे

Took social inequities for granted as a "natural" state of affairs.

वे सामाजिक पक्षपात को "सामान्य" परिस्थिति मान लेते थे।

Slaves were openly sold in markets, like any other commodity, and were regularly exchanged as gifts.

बाज़ारों में दास किसी भी अन्य वस्तु की तरह खुले आम बेचे जाते थे और नियमित रूप से भेंटस्वरूप दिए जाते थे।

- **Ibn Battuta's account that there was considerable differentiation among slaves.**
- **इब्न बतूता के विवरण से प्रतीत होता है कि दासों में काफ़ी विभेद था।**

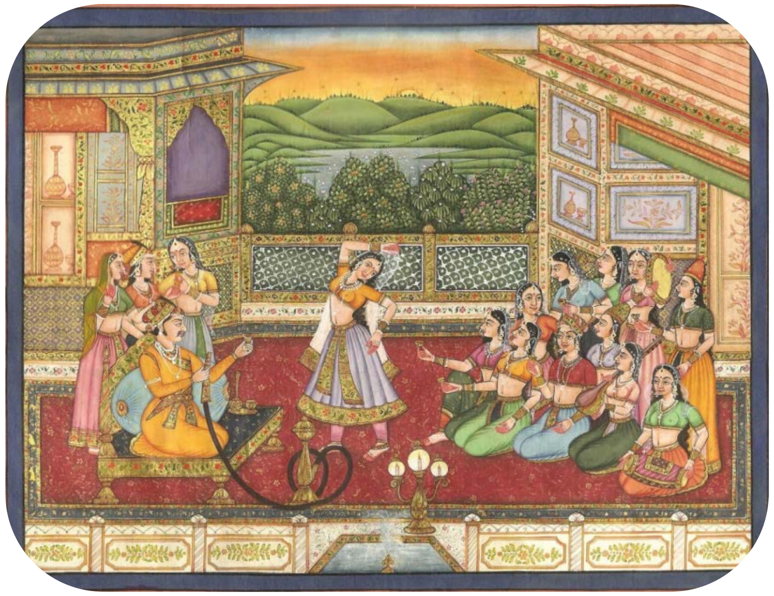

- Some female slaves in the service of the Sultan were experts in music and dance, and Ibn Battuta enjoyed their performance at the wedding of the Sultan’s sister

- सुल्तान की सेवा में कार्यरत कुछ दासियाँ संगीत और गायन में निपुण थीं, और इब्न बतूता सुल्तान की बहन की शादी के अवसर पर उनके प्रदर्शन से खूब आनंदित हुआ।

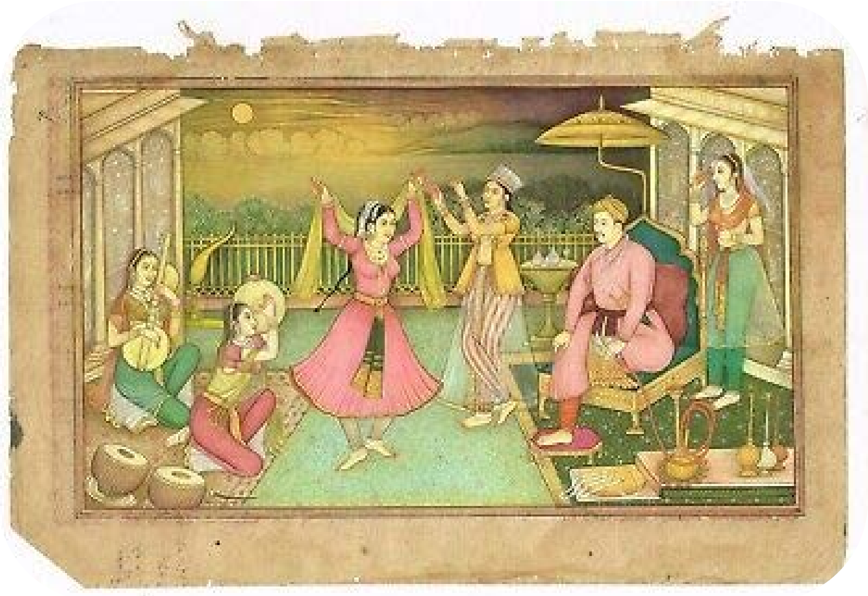

Female slaves were also employed by the Sultan to keep a watch on his nobles.

सुल्तान अपने अमीरों पर नज़र रखने के लिए दासियों को भी नियुक्त करता था।

Slaves were generally used for domestic labour

दासों को सामान्यत: घरेलू श्रम के लिए ही इस्तेमाल किया जाता था

Price of slaves, particularly female slaves required for domestic labour, was very low, and most families who could afford to do so kept at least one or two of them.

दासों की कीमत, विशेष रूप से उन दासियों की, जिनकी आवश्यकता घरेलू श्रम के लिए थी, बहुत कम होती थी और अधिकांश परिवार जो उन्हें रख पाने में समर्थ थे, कम से कम एक या दो को तो रखते ही थे।

Bernier chose the practice of sati for detailed description. He noted that while some women seemed to embrace death cheerfully, others were forced to die.

बर्नियर ने सती प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना। उसने लिखा कि हालाँकि कुछ महिलाएँ प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थीं, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता था।

Women from merchant families participated in commercial activities

व्यापारिक परिवारों से आने वाली महिलाएँ व्यापारिक गतिविधियों में हिस्सा लेती थीं

THANKS
FOR
WATCHING